epaper.dehatsandesh.com



3 अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, गंग्याल पुलिस स्टेशन ने डंपर किए जब्त

5 केतन मलिक ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

8 ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत

मौसम जम्मू — न्यूनतम 11, अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-312 | जम्मू तवी, शनिवार 20 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8




# भारतीय ज्ञान वैश्विक समस्याओं का समग्र समाधान देता है: सिन्हा

## युवाओं से देश के सभ्यतागत मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया

**जम्मू, 19 दिसंबर।** यह कहते हुए कि वेदों में निहित भारतीय ज्ञान प्रणाली एक संपूर्ण और समग्र विश्वदृष्टि प्रदान करती है जो कई आधुनिक समस्याओं का समाधान दे सकती है, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को युवाओं से भारत के सभ्यतागत मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

यहां श्री कैलाख ज्योतिष और वैदिक संस्थान ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित वार्षिक इन-हाउस पत्रिका फ्रकर्तव्य मार्गफ्र के चौथे संस्करण को जारी करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, स्न्न सिन्हा ने समकालीन वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की प्राचीन ज्ञान प्रणालियों की स्थायी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, फ्रवेदों में निहित भारतीय ज्ञान प्रणाली एक संपूर्ण और समग्र विश्वदृष्टि प्रदान करती है जो कई आधुनिक समस्याओं का समाधान दे सकती है, और कहा, फ्रवेद और उपनिषद जैसे प्राचीन ग्रंथ गणित, चिकित्सा, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, कला और मानविकी सहित विभिन्न विषयों में ज्ञान का एक समृद्ध भंडार हैं। उपराज्यपाल ने कहा कि भारत के दार्शनिक स्कूल, कला और वास्तुकला की अपनी परंपराओं के साथ, एक लचीला और सामंजस्यपूर्ण समाज बनाने में बहुत प्रासंगिक बने हुए हैं।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, नैतिकता और मूल्य जटिल चुनौतियों से निपटने में मदद करते हैं, साथ ही ऐसे गुणों को विकसित करते हैं जो सद्भाव, एकता और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा देते हैं।

पारंपरिक ज्ञान की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान प्रणालियाँ सभी की भलाई सुनिश्चित करते हुए एक सफल आधुनिक दुनिया के लिए एक खाका प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रणालियाँ सतत विकास और नवाचार के लिए एक रोडमैप प्रदान करती हैं, और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए एक समग्र ढाँचा प्रस्तुत करती हैं, जिससे एक स्थायी भविष्य बनाने में मदद मिलती है।

# यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं : राष्ट्रपति

**हैदराबाद, 19 दिसंबर।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रकिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है। राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएँ ग्रहण कीं। केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का



उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएँ भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है। श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियाँ पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति। राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों , विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है।

## खबर संक्षेप

### श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जे.पी. नड्डा से की मुलाकात; शीघ्र समाधान का आश्वासन

**जम्मू, 19 दिसम्बर।** माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में सीटों के आवंटन को लेकर चल रहे आंदोलन के संदर्भ में श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के कोर सदस्यों का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल आज संसद भवन नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को जम्मू क्षेत्र के लोगों में सीट आवंटन के मुद्दे को लेकर व्याप्त व्यापक असंतोष तथा इसके गंभीर सामाजिक, कानूनी और क्षेत्रीय प्रभावों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। मुद्दे को दृढ़ता किंतु सकारात्मक एवं रचनात्मक ढंग से रखते हुए यह रेखांकित किया गया कि श्रद्धेय श्री माता वैष्णो देवी के नाम से स्थापित संस्थान से जम्मू की जनता की वैध अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं।

जे.पी. नड्डा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को अत्यंत धैर्यपूर्वक और गंभीरता से सुना। उन्होंने विषय की गंभीरता को स्वीकार करते हुए आश्वस्त किया कि पार्टी तथा केंद्र सरकार इस मुद्दे को लेकर पूर्णतः संवेदनशील है। मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस मामले की समुचित गंभीरता के साथ जांच की जाएगी और जम्मू के लोगों की वैध आकांक्षाओं एवं भावनाओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही इसका समाधान निकाला जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में कर्नल सुखवीर सिंह मनकोटिआ (सेवानिवृत्त), संयोजक, श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति, श्री पुरुषोत्तम दधीचि अध्यक्ष सनातन धर्म सभा जम्मू एवं कश्मीर अभिषेक गुप्ता, राज्य सचिव, विश्व हिंदू परिषद आर.के. छिब्बर, सदस्य एडवाइजरी कमेटी पीओजेके सेवा समिति, अधिवक्ता दीपक शर्मा शामिल थे। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की रचनात्मक एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया तथा यह संकल्प दोहराया कि जब तक न्यायसंगत एवं स्वीकार्य समाधान नहीं हो जाता तब तक यह मुद्दा विधिसम्मत, लोकतांत्रिक और सिद्धांतपूर्ण तरीके से उठाया जाता रहेगा। संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू से लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा और राज्यसभा सांसद एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा सीए से भी मुलाकात की।

# योग ने पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, संतुलन और सामंजस्य का मार्ग दिखाया: प्रधानमंत्री

**नयी दिल्ली, 19 दिसंबर।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन के साथ शुक्रवार को परंपरागत चिकित्सा पर आयोजित दूसरे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) के वैश्विक सम्मेलन का समापन हुआ। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में तीन दिनों तक चले इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर से आए पारंपरिक चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने गहन और सार्थक विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस घेब्रेयेसस, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें खुशी है कि भारत



पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दुनिया के लिए एक मजबूत और भरोसेमंद मंच के रूप में उभर रहा है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए डब्लयूएचओ, भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और सम्मेलन में शामिल सभी प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए सौभाग्य और गर्व की बात है कि डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना गुजरात के जामनगर में हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में पहले वैश्विक सम्मेलन के दौरान दुनिया ने भारत पर भरोसा जताते हुए यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी। श्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली का एक अहम हिस्सा योग है।

# लद्दाख और राष्ट्र के हित में केंद्र कार्रवाई करेगा : उपराज्यपाल गुप्ता

**जम्मू, 19 दिसंबर ।** लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि हितधारकों ने विभिन्न मुद्दों को संबोधित करते हुए अपने मसौदा प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिए हैं और केंद्र, केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्र के हित में कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि लद्दाख में वार्ता जारी है और प्रक्रिया सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने अपना मसौदा प्रस्तुत कर दिया है और आगे की चर्चा उसी मसौदे के आधार पर की जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि विचार-विमर्श



सहमत ढांचे के अनुसार आगे बढ़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रशासन सभी चिंताओं को रचनात्मक तरीके से दूर करने के लिए निरंतर संवाद के लिए प्रतिबद्ध है। लद्दाख प्रतिनिधियों ने 22 अक्टूबर को दिल्ली में गृह मंत्रालय की उप-समिति के साथ बैठक की। समिति ने राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत केंद्र शासित प्रदेश के लिए सुरक्षा उपायों की अपनी प्राथमिक मांग पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्ता में भाग लिया। जोधपुर जेल में बंद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर विपक्ष की आलोचना के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए गुप्ता ने कहा कि केवल वही किया जाएगा जो देश के हित में होगा और जो भी किया जाएगा वह लद्दाख के हित में होगा। इससे आगे कुछ नहीं किया जाएगा।

# शहरी चुनौती कोष, ऑटो डीसीआर और झील संरक्षण उपायों के क्रियान्वयन की सीएस ने की समीक्षा

**जम्मू, 19 दिसंबर।** मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज आवास एवं शहरी विकास से जुड़ी पहलों की प्रगति और क्रियान्वयन की समीक्षा की। इनमें शहरी चुनौती कोष , भवन अनुमति के लिए ऑटो डेवलपमेंट कंट्रोल रेगुलेशन प्रणाली तथा डल और निगीन झीलों के संरक्षण एवं विकास कार्य शामिल थे। समीक्षा बैठक में आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास विभाग के सचिव, जम्मू विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, जम्मू नगर निगम के आयुक्त, झील संरक्षण एवं प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी



उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने शहरी चुनौती कोष का अधिकतम लाभ उठाने पर जोर दिया और संबंधित विभागों को भारत सरकार द्वारा इस योजना के तहत चिन्हित एक लाख करोड़ रुपये में से कम से कम 1 प्रतिशत राशि को लक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि चयनित परियोजनाओं को सुचारु, समयबद्ध और निर्बाध क्रियान्वयन के लिए SASCI से अतिरिक्त वित्तीय सहायता के साथ पूरक बनाया जाए।

इस पहल के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करते हुए मुख्य सचिव ने ऐसे परियोजनाओं के सावधानीपूर्वक चयन की आवश्यकता पर बल दिया, जो जनसंख्या वृद्धि और बदलती नागरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शहरी केंद्रों को सतत, लचीला और भविष्य के लिए तैयार बनाने में सार्थक योगदान दें। निर्माण अनुमतियों के लिए ऑटो डीसीआर प्रणाली के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने को निर्देश दिया कि इस प्लेटफॉर्म को रेरा पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाए, ताकि अधिनियम के तहत वैधानिक अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

# आठ आईपीएस को पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर और तीन आईपीएस अधिकारियों को आईजीपी के पद पर पदोन्नति की मंजूरी

**जम्मू, 19 दिसंबर ।** गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर में तैनात आठ आईपीएस अधिकारियों को पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर और तीन आईपीएस अधिकारियों को पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के पद पर पदोन्नति की मंजूरी दे दी है। जानकारी के अनुसार आठ पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पदोन्नत होने वालों में सरगुन शुक्ला, संदीप वजीर, अनीता शर्मा, जतिंदर सिंह जोहर, स्वर्ण सिंह कोतवाल, जाहिद नसीम मनहास और डॉ. कौशल कुमार शर्मा शामिल हैं जबकि संदीप चौधरी को औपचारिक पदोन्नति दी गई है। इसी तरहं गृह मंत्रालय ने जम्मू और कश्मीर में तैनात तीन आईपीएस अधिकारियों को पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) के पद पर पदोन्नति की मंजूरी दे दी है। पदोन्नति पाने वालों में तेजिंदर सिंह शामिल हैं जबकि अब्दुल जब्बार और उदयभास्कर बिल्ला को औपचारिक पदोन्नति दी गई है। ये पदोन्नतियाँ वेतन मैट्रिक्स के लेवल 14 में आईजीपी ग्रेड में हैं और 1 जनवरी, 2026 से या कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।

# कोहरे की वजह से उड़ानें रुकीं: जम्मू, श्रीनगर एयरपोर्ट पर 12 फ्लाइट कैंसिल, 18 लेट

**श्रीनगर, 19 दिसंबर।** उत्तर भारत में घने कोहरे की वजह से शुक्रवार को हवाई यातायात बाधित हुआ, जिससे श्रीनगर और जम्मू एयरपोर्ट पर ऑपरेशन बुरी तरह प्रभावित हुए, 12 फ्लाइट कैंसिल हो गईं और 18 लेट हो गईं। अधिकारियों ने न्यूज़ एजेंसी को बताया, श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर, खराब विजिबिलिटी और दिल्ली, अमृतसर और कोलकाता सहित डिपार्चर पॉइंट्स पर खराब मौसम के कारण सात फ्लाइट कैंसिल हो गईं और बारह लेट हो गईं। जम्मू एयरपोर्ट पर, पांच फ्लाइट कैंसिल हो गईं और आठ लेट हो गईं, जिससे दोनों एयरपोर्ट पर कुल 12 कैंसिल और



18 लेट हो गईं। श्रीनगर में, सबसे ज़्याद प्रभावित एयरलाइंस में इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट शामिल थीं, जबकि जम्मू में, एयर इंडिया, स्पाइसजेट और एयरएशिया को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बीच, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ने एक एडवाइज़री जारी कर कहा कि उत्तर भारत में एयरपोर्ट ऑपरेशन में रुकावटें जारी रह सकती हैं और यात्रियों से रियल-टाइम अपडेट के लिए अपनी एयरलाइंस से जुड़े रहने का आग्रह किया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी यात्रियों से केवल आधिकारिक कम्युनिकेशन चैनलों पर भरोसा करने, एयरपोर्ट की प्रक्रियाओं के लिए अतिरिक्त समय देने की अपील की और आश्वासन दिया कि प्रमुख एयरपोर्ट पर यात्रियों की मदद के लिए फैसिलिटेशन टीमें मौजूद हैं।

# जम्मू-कश्मीर में बारिश, बर्फबारी से सूखे का दौर खत्म होने की संभावना

**श्रीनगर, 19 दिसंबर।** शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान में गिरावट आई, जिसमें कश्मीर क्षेत्र में पुलवामा में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा कि 20 दिसंबर की शाम से मौसम बदलने की संभावना है, मैदानी इलाकों में बारिश और ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होगी।

जानकारी के अनुसार, जम्मू क्षेत्र में, जम्मू शहर में 9.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के 11.0 डिग्री सेल्सियस से कम था, जबकि जम्मू एयरपोर्ट पर गुरुवार के 11.5 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 11.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बनिहाल में 5.7 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले 3.5 डिग्री सेल्सियस और भद्रवाह में पहले के 5.0 डिग्री सेल्सियस की तुलना में 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कश्मीर घाटी में, पुलवामा में न्यूनतम तापमान माइनस 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के माइनस 3.2 डिग्री सेल्सियस से कम था। श्रीनगर में गुरुवार के 0.2 डिग्री सेल्सियस की तुलना में माइनस 2.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि श्रीनगर एयरपोर्ट पर पिछले दिन के 0.0 डिग्री सेल्सियस के मुकाबले माइनस 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# भारत-ओमान व्यापार समझौते पर होगा तीन महीने में अमल : गोयल

**मस्कट, 19 दिसंबर।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को आशा व्यक्त की कि भारत और ओमान मुक्त व्यापार समझौता अगले तीन महीनों के भीतर लागू हो जाएगा। इससे भारत के श्रम-आधारित निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा तथा फार्मास्युटिकल उत्पाद के लिए के नियामक मंजूरियां भी जल्दी मिल सकेंगीं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देश पहले के व्यापार समझौते में हुई देरी से बचना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 2006 में हस्ताक्षरित हुए ओमान-अमेरिका व्यापार समझौता को लागू होने में लगभग तीन साल लग गए थे। उस अनुभव से सीख लेते हुए भारत और ओमान ने इस समझौते को बहुत तेजी से लागू करने का फैसला किया है। गोयल ने यह भी कहा कि ओमान डेयरी एवं अमूल डेयरी के बीच एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने को लेकर रुचि दिखाई गयी है। गोयल के अनुसार ओमान ने



अपने 98 प्रतिशत से अधिक शुल्कीय मदों में शून्य-शुल्क की पेशकश की है, जो खाड़ी देश को भारत के 99.38 प्रतिशत निर्यात को कवर करती हैं। वर्तमान में, इन उत्पादों पर 5 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक के आयात शुल्क लगते हैं। वहीं भारत ने अपने सकल शुल्कीय मदों में से 77.79 प्रतिशत, या 12,556 उत्पाद श्रेणियों पर शुल्क छूट की पेशकश की है, जो कुल मिला कर ओमान से भारत के आयात का मूल्य रूप में 94.81 प्रतिशत हैं।

## खासी मांग है देश के साथ-साथ विदेशों में भी

# मेडीकल लैब टैक्नीशियन की

मेडीकल लैब टैक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लैबोरेटरी में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टैक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडीकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टैक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते।

नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टैक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एम.एल.टी. कुछ सैम्पलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एम.एल.टी. का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

मेडीकल लैब टैक्नोलॉजिस्ट में सर्टीफिकेट डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकैमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवायरनमैंट एंड बायोमैडीकल वेस्ट मैनेजमैंट, मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजी एवं अस्पताल प्रशिक्षण दिया जाता है।

सर्टीफिकेट इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी (सी.एम.एल.टी.) छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक वर्ष। 12वीं प्रमुख विषय के रूप में फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोलॉजी (पी.सी.बी.) तथा फिजिक्स, कैमिस्ट्री या मैथ्स (पी.सी.एम.) के साथ पास होना अनिवार्य है।

बी.एससी. इन एम.एल.टी. के लिए 12वीं विज्ञान विषयों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। जिसकी अवधि है 3 वर्ष। एम.एस.सी. इन मैडीकल लैबोरेटरी टैक्नोलॉजिस्ट (एम.एल.टी.) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोमा होना चाहिए, इसके बाद 2 साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कालेज, टैक्नीकल, स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है।

छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लैबोरेटरी कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मैडीकल लैबोरेटरी तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती, लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है।

प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मैडीकल लैबोरेटरी हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी मांग रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टैंट के अलावा खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं।

सामान्य तौर पर एक एम.एल.टी. का वेतन 10 हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार रुपए से चालीस हजार रुपए तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफा होता चला जाता है। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इनकी खासी मांग है।

## आधे से ज्यादा लोग अपनी जॉब से रहते हैं नाखुश!

क्या आप जानते हैं कि आधे से ज्यादा लोग अपनी नौकरी से नाखुश रहते हैं और आधे से ज्यादा लोग इस बात को महसूस करते हैं कि वह जिस जॉब को कर रहे हैं, उसमें उनका कोई भविष्य नहीं है या उन्होंने अपनी जिंदगी में गलत करियर चुन लिया।

यह बात ब्रिटेन स्टडी में सामने आई है। स्टडी में कहा गया है कि ब्रिटेन में काम करने वाले लोग अपनी जॉब से परेशान हैं और वह मानते हैं कि वह अपने भविष्य को सही जगह नहीं ले गए। इसके साथ ही एक चौथाई लोग अपने आपको गरीब कर्मचारी मानते हैं। वह लोग ऐसा इसिलए समझते हैं, क्योंकि वह अपनी जॉब से खुश नहीं होते।

स्टडी के मुताबिक 7 में से 1 कर्मचारी ऐसा भी होता है, जो अपनी जॉब से परेशान होकर उसकी आदर नहीं करते और वह जॉब पर ध्यान नहीं देता। इसके साथ-साथ 49 फीसदी ब्रिटेन के कर्मचारी ऐसे भी हैं, जो जॉब करने के साथ साथ किसी और फिल्ड में भी अपना कैरियर तलाश करते हैं।

## प्रतिद्वंद्वी को अपना अच्छा दोस्त बनाएं

### जब दोस्त ईष्या करने लगे

कई बार ऑफिस में प्रमोशन मिलने से आपकी बैस्ट फ्रैंड को भी आपसे ईर्ष्या हो जाती है। ऐसे में अपनी ही दोस्त के बिहेवियर में जलन का भाव देख कर किसी को भी टैंशन होना लाजिमी है, उसे बताएं कि बहुत सी चीजें वक्त के साथ ही संभव हो पाती हैं, कल उसे भी तो प्रमोशन मिल सकता है, बस मेहनत करते रहो। इस प्रकार दो दोस्तों के दिलों में पडऩे वाली दीवार को समय रहते मिटाया जा सकता है।

### शिकायत करने वालों से बचें

ऐसे दोस्तों की भी कमी नहीं जिसे हमेशा आपसे कोई न कोई शिकायत रहती हो। हर बार कमी गिनाने वाले लोग पॉजीटिव सोच वाले नहीं हो सकते। अत- जरूरी है कि उसकी अधिकांश शिकायतों को उसकी आदत जान कर नजरअंदाज करना आरंभ करें। जब भी वह आपसे शिकायत करने लगे तो बात का टॉपिक ही बदल दें, यदि फिर भी वह न समझे, तो उसे साफ.-साफ कह दें कि हर समय अपनी कमी सुनना अपको पसंद नहीं और वह भी अपने नैगेटिव थॉट्स छोड़ कर पॉजीटिव बातों की तरफ ध्यान दे।

### हमेशा सलाह देने वालों से बचें

कुछ लोगों की आदत होती है कि अपने फ्रैंड्स को परेशान देख कर बिना उसकी परेशानी का सबब जाने ही उसे सलाह देने बैठ जाएंगे, बिना यह जाने कि उसे इसकी जरूरत है भी या नहीं। ऐसे दोस्तों को लगता है कि आप में किसी प्रकार का फैसला लेने की क्षमता नहीं है और आपकी भलाई हमेशा उन्हें ऐसा करने को प्रेरित करती रहती है।

अब भले ही आपको यह सब बुरा लगे, पर इतनी सी बात पर दोस्ती कोई नहीं तोड़ता। अब की बार जब वह आपको बिन मांगे सलाह देने लगे तो बड़े प्यार से उसे यह समझाएं कि आप उसकी सलाह एवं राय का आदर करती हैं पर आप भी दूसरों की तरह अपनी ही गलतियों से सीखना चाहती हैं। यदि आपको उसकी सलाह की आवश्यकता होगी तो आप स्वयं उससे सलाह मांग लेंगी, तब तक उन्हें खुद ही इसका हल ढूंढने दिया जाए।

### खुद करें पहल

दोस्ती एक ऐसा फेवीकोल है जो बिखरते रिश्तों को मजबूती से जोडऩे का काम करता है। यदि आप किसी दूसरे से बेहतर बनना चाहती हैं, तो उसकी दोस्त बन जाएं, फिर आपको उससे प्रतिस्पर्धा करने में तनाव भी नहीं होगा और आपको एक नया दोस्त भी मिल जाएगा, जिससे आप प्रतिदिन कुछ नया सीखेंगी। नए रिश्ते बनाने में पहल किसी को तो करनी ही होती है, तो क्यों न आप ही शुरूआत करें क्योंकि प्रतिद्वंद्वी को ही अपना अच्छा दोस्त बनाने से बेहतर और क्या हो सकता है।

### बीती बातों को भुलाना बेहतर

कभी किसी दोस्त के लिए गुस्से में अपशब्द निकल गए हों तो उसे भुला कर उससे माफी मांग लें, क्योंकि बीती बातों को दोहराने का कोई लाभ नहीं। माफी मांग लेने से आप एक अच्छे दोस्त को खोने से बच जाएंगी और साथ ही उसकी नजरों में आपका स्थान और ऊंचा हो जाएगा।

# अनुवादक

## कॅरियर का बेहतरीन विकल्प

आज दुनिया भर के कई देशों में डिस्कवरी सबसे लोकप्रिय चैनल है। यह चैनल दुनिया के कई देशों में उनकी भाषा में प्रसारण करता है। ऐसा संभव होता है अनुवाद के कारण। अनुवाद एक ऐसा माध्यम है जिसने ग्लोबल दुनिया को एक-दूसरे से जुडऩे में अहम भूमिका निभाई है। दुनिया की कई भाषाओं में अच्छे अनुवादकों की आज भारी मांग है। अच्छे अनुवादकों को अच्छा काम और अच्छा पैसा मिलने की चिंता नहीं करनी पड़ती है। अच्छे अनुवादक की योग्यता- यह ध्यान रखने की बात है कि अनुवाद मूल लेखन से भी मुश्किल है। सबसे पहले आपको अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा की जानकारी हो। इसके लिए महज फर्राटे से स्पैनिश और फ्रेंच बोलने से काम नहीं चल जाता। अनुवादक का मकसद एक से दूसरे भाषा क्षेत्र में जाना होता है। इसलिए इसके लिए धैर्य, स्थिरता और समय की जरूरत होती है। अनुवाद शुरू करने से लेकर खत्म करने तक में अनुवादक को कई तरह के प्रयोग करने होते हैं। शब्दों के विकल्पों में से सटीक शब्द चुनना होता है। मूल लेखन और टारगेट रीडर के बीच की दूरी खत्म करनी होती है। यह दूरी जितनी ज्यादा कम हो जाए, अनुवाद उतना सफल होता है। अवसर- शिक्षा और मीडिया से जुड़े लोगों के बीच अनुवाद के काम की बहुत मांग है। विभिन्न दूतावासों में भी अच्छे अनुवादकों की दरकार होती है। फिल्मों और धारावाहिकों में डबिंग के लिए भी अनुवादक की जरूरत होती है। एक प्रोफेशनल अनुवादक के लिए रोजगार के कई अवसर हैं। आज देश में लगभग पांच करोड़ लोग ऐसे हैं जिन्हें तीन भाषाओं का ज्ञान है। आने वाले समय में यह संख्या बढ़ेगी जिसके कारण रोजगार की संख्या बढ़ेगी। जिन लोगों को दो या तीन भाषाओं की अच्छी जानकारी होती है, वे अनुवादक के रूप में अच्छा करिअर बना सकते हैं। अनुवाद का मानव सभ्यता और संस्कृति के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। अनुवाद दरअसल एक सेतु है, जो दो भाषाओं, दो संस्कृतियों और दो सभ्यताओं को आपस में जोड़ता है। भूमंडलीकरण के इस दौर में अनुवादकों की माँग बहुत ज्यादा बढ़ रही है। अनुवाद करने वालों के लिए प्रकाशन गृह में हमेशा स्थान होता है। इसके अलावा फिल्मी दुनिया में भी विदेशी फिल्मों के सबटाइटल' बनाने और किसी अन्य भाषा में फिल्म की डबिंग करने के लिए अनुवादकों की आवश्यकता होती है। अखबार और पत्रिकाओं में भी अनुवाद का बहुत काम होता है, इसलिए प्रिंट मीडिया में भी अनुवादकों के लिए अवसर मौजूद होते हैं। निजी क्षेत्र के अलावा शासकीय क्षेत्र में भी अनुवादकों के लिए रोजगार के कई अवसर उपलब्ध होते हैं। शासकीय दूतावासों में अनुवादक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। दूतावास में काम करने वाले अनुवादकों को विदेश जाने के अवसर एवं प्रतिष्ठापूर्ण ओहदा मिलता है। कई लोग अनुवाद को केवल हिंदी और अंग्रेजी के साथ जोड़कर ही देखते हैं। जबकि ऐसा नहीं है, अनुवाद के संदर्भ में हिंदी और अंग्रेजी का क्षेत्र बहुत विस्तृत है, लेकिन अन्य भाषाओं में भी अनुवाद के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यदि हम अपने देश के बारे में बात करें तो हिंदी के अलावा गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल जैसी भाषाओं में भी अनुवादकों के लिए बहुत से अवसर उपलब्ध हैं। यदि अनुवादक के रूप में नौकरी न करना चाहें तो फीलांस अनुवादक के रूप में काम किया जा सकता है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए भी अवसरों की कमी नहीं है। फ्रीलांस अनुवादकों के लिए इंटरनेट बहुत बड़ा अवसरदाता है। कई वेबसाइट अनुवादकों को अवसर मुहैया करवा रही है। इन साइटों पर अनुवादक अपना पंजीयन करवाते हैं।

भाषा संप्रेषण का माध्यम है लेकिन यदि भाषा पर अधिकार हो तो करिअर बनाने की डगर बहुत आसान हो जाती है। वैसे तो आप किसी भी क्षेत्र में अपना करिअर बनाएँ, दो या दो से अधिक भाषाओं पर अच्छी पकड़ आपको हर क्षेत्र में खास तवज्जो दिलाएगी। दो भाषाओं पर अच्छा अधिकार अपने आप में एक विशेषता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

page 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/20/2025 12:54 AM Page 1



## डीसी ने किराया निर्धारण समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के उपयोग में आने वाली इमारतों के 27 मामलों को मंजूरी दी

**कठुआ, 19 दिसंबर (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने विभिन्न सरकारी विभागों के उपयोग में आने वाली इमारतों के विभिन्न किराया निर्धारण मामलों को अंतिम रूप देने के लिए जिला किराया निर्धारण समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में अन्य लोगों के अलावा, सहायक आयुक्त राजस्व कठुआ विश्व प्रताप सिंह, एक्सईएन पीडब्लू (आर एंड बी) कठुआ अरविंद लांघे और उन सभी संबंधित विभागों के सदस्य उपस्थित थे जिनके कार्यालय जिले में निजी इमारतों से संचालित हो रहे हैं। डीआरएसी की बैठक के दौरान पुलिस, हस्तशिल्प, हथकरघा, आयुष, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, शिक्षा, जेकेआरएलएम, आईसीडीएस, राजस्व, एफसीएस एवं सीए, भूविज्ञान एवं खनन, आरडीडी, पुस्तकालय, बागवानी और पीएमजीएसवाई सहित सरकारी विभागों द्वारा वर्तमान में उपयोग किए जा रहे भवनों के लगभग 30 किराये के मामलों को मासिक किराया तय करने के लिए समिति के समक्ष रखा गया। समिति ने किराया निर्धारण के सभी मामलों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया और प्रत्येक मामले की गहन जांच की गई। गहन मूल्यांकन के बाद, कुल 30 मामलों में से 27 मामलों को मंजूरी दी गई, जबकि तकनीकी खामियों के कारण 3 अन्य मामलों को पुनः विचार के लिए सूचीबद्ध किया गया। इस अवसर पर डीआरएसी के अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि विभिन्न कार्यालयों के संचालन के लिए खाली सरकारी भवनों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी लंबित किराया निर्धारण मामलों के निपटान पर भी बल दिया।

## भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया से मिले

**जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू नगर निगम के वार्ड नंबर 57, 22, 23 एवं बबलियाना पंचायत के प्रमुख नागरिकों का प्रतिनिधिमंडल आज भारतीय जनता पार्टी जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया से मिले। प्रतिनिधिमंडल ने अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित एवं आवश्यक नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में शीघ्रता लाने की मांग रखी।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि बरसात के मौसम में बार-बार जलभराव, जर्जर गलियां व नालियां, कमजोर संपर्क सड़कें तथा अपर्याप्त स्वच्छता व्यवस्था स्थानीय निवासियों के दैनिक जीवन और जन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्ययोजना, नियमित रखरखाव तथा समयबद्ध क्रियान्वयन की मांग की, ताकि आम जनता, व्यापारियों और स्कूल जाने वाले बच्चों को राहत मिल सके। बलदेव सिंह बिलावरिया ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं की ात्कालिकता को स्वीकार किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इन मुद्दों को जम्मू नगर निगम एवं संबंधित विभागों के समक्ष उठाएंगे और प्राथमिकता के आधार पर वित्तीय प्रावधान तथा समयबद्ध मरम्मत कार्यों के लिए जोर देंगे। उन्होंने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, नगर निगम के अभियंताओं और स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय से ही स्थायी समाधान संभव है।

## सुशासन सप्ताह-कठुआ प्रशासन ने प्रशासन गांव की ओर जनसंपर्क अभियान शुरू किया

**कठुआ, 19 दिसंबर (हि.स.)।** 19 से 25 दिसंबर 2025 तक मनाए जा रहे सुशासन सप्ताह के अंतर्गत जनसंपर्क अभियान के तहत कठुआ जिले के विभिन्न हिस्सों में प्रशासन गांव की ओर के बैनर तले जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य जनहित को मजबूत करना, शिकायतों का निवारण सुनिश्चित करना और जमीनी स्तर तक सरकारी सेवाएं पहुंचाना था। उद्घाटन दिवस पर कठुआ के अतिरिक्त उपायुक्त विश्वजीत सिंह की अध्यक्षता में मढ्ढीन में एक जनसंपर्क शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान लोगों को विभिन्न जनसेवाएं प्रदान की गईं और विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाई गई। जम्मू-कश्मीर समाधान पोर्टल के माध्यम से जन शिकायतों के ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा भी शुरू की गई, जिससे नागरिक अपनी शिकायतों को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से दर्ज करा सकें। इसी प्रकार, बिलवार ब्लॉक की पंचायत मूनी में अतिरिक्त उपायुक्त बिलवार विनय

खोसला की अध्यक्षता में एक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनता की शिकायतों को सुना गया और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निवारण को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे जन-केंद्रित शासन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को बल मिला। अभियान के कार्यान्वयन चरण के अंतर्गत तहसील प्रशासन ने नगरी तहसील के खोख्याल गांव में एक शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को जनता के घर तक पहुंचाना और कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी जमीनी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना था। एक अन्य प्रशासन गांव की ओर शिविर दुग्गन की पंचायत चलोग के खज्जियार में उप-मंडल मजिस्ट्रेट बनी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें तहसीलदार बनी भी उपस्थित थे।

## सांबा पुलिस ने अवैध खनन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे 5 डंपर जब्त

**सांबा, 19 दिसंबर (हि.स.)।** सांबा में अवैध खनन के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने सांबा और घगवाल पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पांच डंपर जब्त किए हैं। घगवाल पुलिस स्टेशन के एसएचओ सांबा पुलिस स्टेशन के सुपवाल और मानसर पुलिस पोस्ट के प्रभारी और घगवाल पुलिस स्टेशन के राजपुरा पुलिस पोस्ट के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21सी-2988, जेके02ष्टजी-2974, जेके02ष्टजी-2974, जेके21द्द-6049, जेके21डी-9880 और जेके21जी-7597 वाले पांच डंपर जब्त किए हैं।

जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। उपर्युक्त वाहनों को सांबा पुलिस ने जब्त कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सांबा के भूविज्ञान एवं खनन विभाग को सौंप दिया है।

## लापता नाबालिग लड़की को पुलिस स्टेशन बाग-ए-बाहु ने खोजा

**जम्मू, 19 दिसंबर, (हि.स.)।** पेशेवर दक्षता का प्रदर्शन करते हुए जम्मू पुलिस के पुलिस स्टेशन बागे बाहु में एफआईआर दर्ज होने के कुछ ही घंटों के भीतर एक लापता नाबालिग लड़की का सफलतापूर्वक पता लगा लिया। 18 दिसंबर 2025 को बाजीगर बस्ती, बागे बहू की एक नाबालिग लड़की के माता-पिता ने पुलिस स्टेशन बागे बहू में रिपोर्ट दी कि उनकी बेटी 16 दिसंबर, 2025 को लापता हो गई थी। माता-पिता ने दो दिनों तक लड़की को खोजने के लिए अपने स्तर पर काफी प्रयास किए लेकिन उसका पता लगाने में असफल रहे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि उनकी बेटी का अखनूर इलाके से कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया है शिकायत पर संज्ञान लेते हुए बाग-ए-बाहु पुलिस स्टेशन ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 49 और 137 (2) के तहत एफआईआर संख्या 137/2025 दर्ज की और गहन जांच शुरू की। मामले की जांच एसएचओ पुलिस स्टेशन बागे बाहु इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार ने की जिन्होंने एक समर्पित पुलिस टीम का गठन किया और एक गहन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस टीम के निरंतर और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप, लापता नाबालिग लड़की को एफआईआर दर्ज होने के तीन से चार घंटों के भीतर सफलतापूर्वक ढूंढ लिया गया। पता लगाने के बाद नाबालिग लड़की को स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया और उसे चिकित्सा परीक्षण के लिए भेजा जा रहा है। मामले में आगे की जांच जारी है। जम्मू पुलिस बच्चों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है और जनता से ऐसी घटनाओं की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह करती है ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सके।

## साइबर जागरूकता दिवस मनाया

**डोडा**, 19, दिसंबर (हि.स.)। एसएसपी डोडा संदीप कुमार मेहता-जेकेपीएस के निर्देश पर साइबर पुलिस स्टेशन डोडा ने आम जनता दुकानदारों और होटल स्टाफ को साइबर अपराध के बारे में जागरूकता देने के उद्देश्य से पुलिस स्टेशन डोडा में साइबर जागरूकता दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दुकानदार और होटल कर्मचारी मौजूद थे। इस अवसर पर साइबर पुलिस स्टेशन डोडा के इंस्पेक्टर सुरिंदर वीर सिंग चिब द्वारा प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए गए और उन्हें साइबर अपराध पोर्टल, सीईआईआर पोर्टल (चोरी/गायब मोबाइल फोन से संबंधित) क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ओटीपी, क्यूआर स्कैन धोखाधड़ी ऑनलाइन गेमिंग धोखाधड़ी ऋण धोखाधड़ी जैसे विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन धोखाधड़ी के माध्यम से आम आदमी को अपनी चाल में फंसाकर उनकी गाढ़ी कमाई को लूटने के चलन के बारे में जागरूक किया गया।

## पुलिस ने 6 साल से फरार चल रहे अपराधी को गिरफ्तार किया

**गांदरबल, 19 दिसंबर (हि.स.)।** गांदरबल में फरार अपराधियों के खिलाफ अपने विशेष अभियान को जारी रखते हुए गांदरबल पुलिस ने एक और सफलता हासिल की है और 6 साल से फरार चल रहे एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान खानपोरा नगरोटा निवासी वली मोहम्मद गोजर पुत्र मोहम्मद मुंशी गोजर के रूप में हुई है जो गुंड पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 50 2020 धारा 279 और 427 आईपीसी के तहत वांछित था।

विशिष्ट सूचना के आधार पर गुंड पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने गहन प्रयासों के बाद उक्त फरार अपराधी को पकड़ा और सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद आरोपी को माननीय जेएमआईसी कंगन न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे श्रीनगर केंद्रीय जेल भेज दिया गया है।

## बसोहली जोन में संसद खेल महोत्सव आयोजित

**कठुआ, 19 दिसंबर (हि.स.)।** डीसी कठुआ राजेश कुमार के निर्देशानुसार और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी कठुआ सुनील सिंह संब्याल की देखरेख में बसोहली और भूंड ब्लॉक को कवर करने वाले बसोहली जोन में संसद खेल महोत्सव का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देना और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना था।

महोत्सव का संचालन बसोहली जोन के प्रभारी जेडपीईओ तारा सिंह की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बसोहली के अतिरिक्त उपायुक्त पंकज भगोत्रा थे, जिन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत की, उनसे व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें समर्पण और अनुशासन के साथ खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करके उनका मनोबल बढ़ाया। अन्य उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में मॉडल एचएसएस बसोहली के प्रधानाचार्य बृज भूषण पाधा और ब्लॉक भूंड के प्रधानाचार्य सतीश कुमार चंदेल शामिल थे, जिन्होंने आयोजकों के प्रयासों की सराहना की और युवाओं को उनके शारीरिक और समग्र विकास के लिए खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन के दौरान वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, रस्साकशी, कुश्ती और बैडमिंटन सहित कई खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ब्लॉक बसोहली और ब्लॉक भूंड से कुल 121 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जो खेलों में युवाओं की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। संसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन ने आयोजन टीम और अधिकारियों के बीच मजबूत समन्वय को उजागर किया।

## अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई, गंग्याल पुलिस स्टेशन ने डंपर किए जब्त

**जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)।** जम्मू पुलिस ने गंग्याल क्षेत्र में खनन सामग्री के अवैध परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। गंग्याल पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके21जे-9580 वाले एक डंपर को रोका और हिरासत में लिया जो बिना किसी वैध प्राधिकरण या परमिट के खनन सामग्री के अवैध परिवहन में शामिल पाया गया।

वाहन को मौके पर ही आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए जब्त कर लिया गया। मामले को कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू करने के लिए डीएमओ जम्मू के संज्ञान में लाया गया है। जम्मू पुलिस अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए प्रतिबद्ध है। और आम जनता से ऐसी अवैध गतिविधियों की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को देकर सहयोग करने का आग्रह करती है।

## विधायक डॉ. राजीव भगत ने बिश्नाह में 40 लाख रुपये की विकास परियोजनाओं का अनावरण किया

**जम्मू, 19 दिसंबर (हि.स.)।** बिश्नाह निर्वाचन क्षेत्र को आधुनिक निर्वाचन क्षेत्र के मॉडल में बदलने के अपने मिशन को जारी रखते हुए स्थानीय विधायक डॉ. राजीव कुमार भगत ने आज कुल 40 लाख की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया। पहल जो कई गांवों में फैली हुई है ग्रामीण विकास के दो महत्वपूर्ण स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करती है। बिजली आपूर्ति का स्थिरीकरण और उन्नत जल निकासी प्रणालियों के माध्यम से स्थानीय स्वच्छता में सुधार। दिन का मुख्य आकर्षण सीमा बेल्ट में लंबे समय से चली आ रही बिजली के उतार-चढ़ाव को हल करने की दिशा में समर्पित प्रयास था। डॉ. राजीव ने लगातार वोल्टेज सुनिश्चित करने और निवासियों के लिए बिजली कटौती को कम करने के लिए चार विद्युत ट्रांसफार्मर के उन्नयन का उद्घाटन किया। विद्युत बुनियादी ढांचे के कार्यों में शामिल हैं ग्राम नंदपुर में दो ट्रांसफार्मर, ग्राम बहादुरपुर में एक और ग्राम जोइयां में एक ट्रांसफार्मर का उन्नयन। बिजली क्षेत्र के अलावा विधायक ने ग्राम कोटला में एक महत्वपूर्ण लेन और नाली परियोजना का उद्घाटन किया जिसका उद्देश्य आंतरिक गाँव की सड़कों की स्वच्छता और कनेक्टिविटी में सुधार करना है।


**उत्तर रेलवे**

ई नीलामी-सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर द्वारा नीचे दिए गए कार्य के लिये योग्य और पंजीकृत बोलीदाताओ से फिरोजपुर मण्डल में ई-नीलामी आमंत्रण किया जाता है;

| नीलामी सूची सं. | नीलामी शुरू होने का समय व तारीख | कार्य का नाम |
|---|---|---|
| EAFZR-SLR25-136 | 07/01/26 को 11:00 बजे | गाड़ियों मे पार्सल स्पेस को लीस पर देने का ठेका (ट्रेन नंबर/एसएलआर कम्पार्टमेन्ट) 14604/F1, 15532/F1, 12030/F1, 14680/F1, 22446/F1, 14614/F1, 14614/R1, 19326/F1, 14682/F1 & 22552/F1 |

विस्तृत जानकारी और पंजीकरण के लिए, कृपया रेलवे की वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाये। **3941/2025**

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**


## अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई में जेसीबी और चार ट्रैक्टर जब्त किए

**कश्मीर, 19 दिसंबर (हि.स.)।** अवैध खनन के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के तहत जम्मू एवं कश्मीर पुलिस ने शोपियां के इमामशाह क्षेत्र में खनिजों के अवैध खनन और परिवहन में शामिल एक जेसीबी और चार ट्रैक्टर जब्त किए हैं। नियमित गश्त के दौरान इमामशाहिब पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने एक जेसीबी और दो ट्रैक्टरों को रोका जो वैध रॉयल्टी दस्तावेजों के बिना अवैध रूप से खनिज निकाल रहे थे।

इस संबंध में इमामशाहिब पुलिस स्टेशन में कानून की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 42 2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। इसी तरह की एक अन्य कार्रवाई में इमामशाहिब पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर अवैध खनिज खनन में शामिल दो ट्रैक्टर जब्त किए।

परिणामस्वरूप पुलिस स्टेशन इमामसाहिब में एफआईआर संख्या 43 2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। शोपियन पुलिस जिले के प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने और अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है। आम जनता से अनुरोध है कि वे ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों की सूचना देकर सहयोग करें। सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।


**उत्तर रेलवे**

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्याः— **204-2025-26-ADEN-II-ASR** दिनांक : **18.12.2025**

वरिष्ठ मंडल अभियन्ता – तृतीय/फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई– निविदाएं, अंतिम तिथि 12.01.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा । ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेविट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

| निविदा प्रकार | निविदा अनुभाग | बोली प्रणाली |
|---|---|---|
| खुला | कार्य | एकल बोली प्रणाली |
| निविदा अपलोड करने की तिथि | बोली शुरू की तिथि | बोली समापन की तिथि तथा समय |
| 18.12.2025 | 29.12.2025 | 12.01.2026 15:00 बजे |

| क्र. | निविदा संख्या | निविदा का विवरण |
|---|---|---|
| 1 | 204-2025-26-ADEN-II-ASR | सहायक मंडल अभियंता-द्वितीय/अमृतसर के अंतर्गत विभिन्न पुलों पर क्षतिग्रस्त विंग/रिटर्न वॉल और गाइड बंड्स की मरम्मत, प्रमुख पुलों के एप्रोच के निर्माण को सुदृढ़ करना, कटाव को रोकने के लिए पत्थर की पिचिंग करना और गिट्टी रिटेनर उपलब्ध कराना। |

| विज्ञापन मूल्य (रु.) | बयाना राशि | ऑफर की वैधता | समापन की अवधि |
|---|---|---|---|
| 84,99,508.68/- | 1,70,000.00/- | 60 दिन | 06 महीने |

**समान प्रकृति का कार्यः** "रेलवे पुलों/आरओबी/एलएचएस/आरयूबी का निर्माण/पुनर्वास।"

**नोट : 1.** निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जॉच करेंगे।
2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करे, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होगे। **3928/25**

**ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ**


## जसरोटिया ने जखोल और मलममन में लगाया जनता दरबार, जन शिकायतों का किया समाधान

**कठुआ, 19 दिसंबर (हि.स.)।** जनता से सीधे संपर्क मजबूत करने और उनकी गंभीर चिंताओं को दूर करने के निरंतर प्रयास को जारी रखते हुए जसरोटा के विधायक राजीव जसरोटिया ने शुक्रवार को जखोल और मलममन में व्यापक जनसभाएं आयोजित कीं। सभाओं के दौरान विधायक जसरोटिया ने निवासियों की चिंताओं को ध्यानपूर्वक सुना, जिनमें बुनियादी ढांचा विकास, सड़क मरम्मत, जल आपूर्ति, बिजली, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छता, शिक्षा और सामुदायिक कल्याण पहलों सहित कई मुद्दे शामिल थे। निवासियों ने सड़कों के रखरखाव में देरी, अनियमित जल आपूर्ति और बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की आवश्यकता जैसी विशिष्ट समस्याओं को उठाया। विधायक ने नागरिकों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों को दर्ज किया जाएगा और प्राथमिकता दी जाएगी, और संबंधित सरकारी विभागों के समन्वय से आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी विकास के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण है और निवासियों को स्थानीय शासन संबंधी पहलों की निगरानी और समर्थन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक ने महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से सीधे बातचीत करने पर विशेष ध्यान दिया, उनकी विशिष्ट चिंताओं को समझा और उन्हें सामुदायिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवा सशक्तिकरण, कौशल विकास कार्यक्रमों, बेहतर शैक्षिक सुविधाओं, महिलाओं की सुरक्षा और वरिष्ठ नागरिक कल्याण योजनाओं से संबंधित पहलों पर प्रकाश डाला। राजीव जसरोटिया ने उपस्थित लोगों को उनकी भागीदारी और रचनात्मक प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया और इस बात पर जोर दिया कि प्रभावी नीतियां बनाने के लिए नागरिक सहभागिता आवश्यक है।

## डीसी कठुआ की जनता से अपील, पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में भाग लें

**कठुआ, 19 दिसंबर (हि.स.)।** कठुआ के उपायुक्त राजेश शर्मा जेकेएएस ने जनता से अपील की है कि वे 21 से 23 दिसंबर तक पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए चलाए जा रहे पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान में भाग लें।

डीसी कठुआ ने कठुआ की जनता से अपील करते हुए कहा कि टीकाकरण 21 दिसंबर को सभी जिला एवं उप-जिला अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में किया जाएगा। छूटे हुए बच्चों को 22 और 23 दिसंबर को घर-घर जाकर टीकाकरण किया जाएगा। और सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित रहे और कठुआ को पोलियो मुक्त रखने में सहयोग करें।

## एसोसिएशन इस क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए स्थानीय हितधारकों और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा

**श्रीनगर, 19 दिसंबर(हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर को भारत की साहसिक राजधानी बताते हुए एडवेंचर टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एटीओएआई) के अध्यक्ष अजीत बजाज ने शुक्रवार को कहा कि एसोसिएशन इस क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने के लिए स्थानीय हितधारकों और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। एटीओएआई के 17वें वार्षिक सम्मेलन के समापन के बाद श्रीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बोलते हुए बजाज ने कहा कि सुरक्षित, टिकाऊ और लचीला साहसिक पर्यटन शीर्षक वाले सम्मेलन को देश भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। बजाज ने कहा कि हमने एक शानदार सम्मेलन आयोजित किया और कश्मीर के गर्मजोशी भरे आतिथ्य का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि हमारे सदस्यों ने पहलगाम, गुलमर्ग और सोनमर्ग का दौरा किया और प्रभावित होकर लौटे। जम्मू-कश्मीर वास्तव में भारत का साहसिक गंतव्य है और हम यहां अधिक साहसिक पर्यटकों को लाने के लिए सरकार के साथ काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एटीओएआई ने सीधे व्यापार संबंध बनाने के लिए स्थानीय साहसिक ऑपरेटरों के साथ बी2बी सत्र आयोजित किए थे। उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों के सभी एडवेंचर ऑपरेटरों ने साझेदारी बनाने के लिए यहां के स्थानीय ऑपरेटरों से मुलाकात की। हम एक ऐसा नेटवर्क बनाना चाहते हैं जिसके माध्यम से स्थानीय व्यवसायों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यातायात से सीधे लाभ हो। बजाज ने यह भी कहा कि संघ केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटन पुनरुद्धार में तेजी लाने के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय के साथ समन्वय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारे पर्यटन क्षेत्र का रत्न है। यहां सब कुछ सामान्य है और हमने इसे खुद देखा है। हमें वर्दी में अपने पुरुषों और महिलाओं पर गर्व है और हम जल्द से जल्द अधिक पर्यटकों को जम्मू-कश्मीर वापस लाना चाहते हैं। दशकों से कश्मीर का दौरा कर रहे एक अन्य एटीओएआई प्रतिनिधि ने कहा कि असुरक्षा की धारणा को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं 35 वर्षों से कश्मीर में यात्रा कर रहा हूं और कभी भी कहीं और सुरक्षित महसूस नहीं किया। यहां का आतिथ्य और गर्मजोशी बेजोड़ है। उन्होंने कहा कि 2026 कश्मीर पर्यटन के लिए एक महान वर्ष होगा। बजाज ने स्थितियों में सुधार होने पर क्षेत्र के सभी साहसिक क्षेत्रों को धीरे-धीरे फिर से खोलने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया। हम चाहते हैं कि धीरे-धीरे और लगातार सभी क्षेत्रों को साहसिक पर्यटन के लिए खोला जाएस्थानीय लोग स्वागत कर रहे हैं, पहाड़ शानदार हैं और कश्मीर में वह सब कुछ है जो इसे विश्व स्तरीय साहसिक गंतव्य बनाता है।

# संपादकीय

## बिजली संकट

जम्मू-कश्मीर का बिजली क्षेत्र आज लंबे समय से चले आ रहे अपर्याप्त निवेश, सुधारों में देरी और बाहरी स्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता की एक स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। अपनी कुल बिजली जरूरत का 95 प्रतिशत से अधिक आयात करने और स्थानीय उत्पादन का योगदान मात्र 4.6 प्रतिशत होने के कारण, केंद्र शासित प्रदेश गंभीर आर्थिक और सामाजिक परिणामों वाली निर्भरता के दुष्चक्र में फंसा हुआ है।

इस समस्या की गंभीरता आंकड़ों से साफ झलकती है। जम्मू-कश्मीर लगभग 800 मेगावाट के समग्र बिजली घाटे का सामना कर रहा है, जबकि पीक ऑवर में बिजली आयात 2,900 से 3,100 मेगावाट तक पहुंच जाता है। गैर-पीक घंटों में भी आयात 2,400 से 2,800 मेगावाट के बीच रहता है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि क्षेत्र बाहरी बिजली आपूर्ति पर कितना अधिक निर्भर है। कुल उपलब्धता लगभग 3,100-3,200 मेगावाट होने के बावजूद मांग लगातार आपूर्ति से अधिक बनी हुई है—विशेषकर सर्दियों के दौरान, जब हीटिंग की जरूरतें बढ़ जाती हैं।

इस निर्भरता को और चिंताजनक बनाता है केंद्र शासित प्रदेश की सीमित स्थानीय उत्पादन क्षमता। अपार जलविद्युत क्षमता होने के बावजूद, स्थानीय परियोजनाओं से औसत उत्पादन केवल 100-150 मेगावाट के आसपास है। संभावनाओं और वास्तविकता के बीच यह बड़ा अंतर वर्षों से रुकी पड़ी परियोजनाओं, अपर्याप्त अवसंरचना और नीतिगत जड़ता को दर्शाता है। नतीजतन, बिजली प्रणाली मौसमी दबाव और बाहरी आपूर्ति सीमाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील बनी हुई है।

मांग का स्वरूप भी इस असंतुलन को उजागर करता है। कश्मीर क्षेत्र को लगभग 2,400-2,500 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है, जबकि जम्मू संभाग की मांग 1,400-1,500 मेगावाट के बीच है। इतनी अधिक मांग के चलते, आपूर्ति में मामूली सी भी बाधा दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में लंबे बिजली कटौती में बदल जाती है। दिसंबर माह में 34 प्रतिशत तक बिजली घाटे की आधिकारिक चेतावनियां ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जनता की चिंताओं को और बढ़ाती हैं।

आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं के साथ-साथ वितरण प्रणाली में नुकसान और अक्षमताएं भी स्थिति को गंभीर बना रही हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि बिजली चोरी, फ्लैट-रेट बिलिंग और पुरानी अवसंरचना के कारण भारी नुकसान हो रहा है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां अभी तक स्मार्ट मीटर नहीं लगाए गए हैं। स्मार्ट मीटरिंग से नुकसान में भारी कमी आने की उम्मीद जरूर है, लेकिन यह भी उजागर करता है कि प्रणालीगत सुधार कितने लंबे समय से लंबित रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर का बिजली संकट केवल एक तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि एक व्यापक विकास चुनौती है। विश्वसनीय बिजली आपूर्ति उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और समग्र जीवन गुणवत्ता की आधारशिला है। आयातित बिजली पर निरंतर निर्भरता न केवल वित्तीय संसाधनों को खपत करती है, बल्कि केंद्र शासित प्रदेश की आर्थिक आत्मनिर्भरता को भी सीमित करती है।

अब जम्मू-कश्मीर को तत्काल बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है—स्थानीय जलविद्युत परियोजनाओं का तीव्र विकास, पारेषण और वितरण अवसंरचना का आधुनिकीकरण, सार्वभौमिक स्मार्ट मीटरिंग और बिजली चोरी पर सख्त नियंत्रण। ठोस और निर्णायक कदमों के बिना, क्षेत्र हर सर्दी में एक नए संकट का सामना करता रहेगा—

ऊर्जा सुरक्षा कोई विलासिता नहीं, बल्कि स्थिरता और विकास की अनिवार्य शर्त है। जम्मू-कश्मीर के लिए बिजली घाटे को कम करना अब केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि दृढ़ और प्रभावी कार्रवाई की मांग करता है।

# देरी से शादियाँ और तलाक के बढ़ते मामले

**-पंकज जगन्नाथ जयस्वाल**

आधुनिकीकरण की आड़ में हिंदुओं ने पश्चिमी संस्कृति को अपना लिया है, जिससे उनकी अपनी संस्कृति कमज़ोर हो गई है। इसके परिणाम विनाशकारी हैं और अगर हिंदू अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर वापस नहीं लौटते हैं तो तीन से चार पीढ़ियों में उनका और इस अद्भुत राष्ट्र का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसका सीधा-सा कारण हम देख रहे हैं कि देर से शादियाँ, तलाक़ की दरों में वृद्धि, एक या कोई बच्चा न होना और देरी से शादी के परिणामस्वरूप माता-पिता-बच्चों के रिश्तों में गिरावट आ रही है। यह पूरे हिंदू समुदाय के लिए बहुत चिंताजनक है। लड़कियों और लड़कों दोनों की पहले आर्थिक और भौतिक रूप से समृद्ध होने और फिर बाद में शादी करने की आकांक्षाएँ शादी और परिवार को एक अनुबंध का मामला बना रही हैं।

किसी व्यक्ति के जीवन में सबसे बड़े मोड़ में से एक शादी है। यह न सिर्फ़ दो लोगों को एक साथ लाता है, बल्कि परिवारों और किस्मत को भी जोड़ता है। यह ऐसा रिश्ता है जो अब बँटवारे और तबाही की घटना में बदल रही है। खासकर भारतीय हिंदू समुदाय में, जहाँ समय पर शादी को पारंपरिक रूप से महत्व दिया जाता है और यह वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सही है, जब शादी को मनचाही उम्र से आगे टाला जाता है तो यह अक्सर चिंता का विषय बन जाता है।

दुनिया भर में शादी की उम्र बढ़ गई है। आजकल, कई अमीर देशों में काफ़ी संख्या में शादियाँ तीस साल की उम्र के बाद होती हैं। इस चलन के साथ-साथ शादी की दरें भी अक्सर गिर रही हैं, खासकर यूरोप जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों में। भारत में भी ऐसा ही पैटर्न उभरने लगा है। उदाहरण के लिए साल 2011 और 2020 के बीच देश की राजधानी में महिलाओं की शादी की औसत उम्र 21.7 से बढ़कर 24.4 साल हो गई। रिसर्च के अनुसार, अलग-अलग उम्र के लोगों के शादी में देरी करने के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। मुख्य कारक धन, शिक्षा और एक्सपोज़र जैसी चीजें हैं।

अपने ग्रामीण समकक्षों की तुलना में अमीर परिवारों की कई शहरी किशोर लड़कियाँ जो ज़्यादा मीडिया के संपर्क में आती हैं, उनके शादी से पहले सेक्स की संभावना ज़्यादा होती है। यह देश के ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच शादी की रीति-रिवाजों और यौन व्यवहार में असमानताओं को दिखाता है। आमतौर पर, अमीर घरों के लोग और उच्च शिक्षा वाले लोग शादी में देरी करते हैं।

देर से शादी करने के कुछ नुकसान भी हैं।

बच्चों को जन्म देने पर इसका असर एक नुकसान है। हाल की स्टडीज़ से पता चलता है कि महिलाओं की फर्टिलिटी 30 साल की उम्र के आखिर में कम होने लगती है। ज़्यादा उम्र की माताओं को प्रेग्नेंसी से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं, जैसे मिसकैरेज, जन्मजात बीमारियां, जेस्टेशनल डायबिटीज, लेबर में दिक्कतें और कुछ दूसरी बीमारियां। इसके अलावा, इस बात के भी सबूत हैं कि कुछ बीमारियां, जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, ज़्यादा उम्र के पिताओं के बच्चों को ज़्यादा प्रभावित कर सकती हैं। पार्टनर की पक्की आदतों और विचारों के साथ तालमेल बिठाने में ज़्यादा मुश्किल एक और संभावित नुकसान है। जो लोग ज़िंदगी में देर से शादी करते हैं, उनकी आदतें और राय ज़्यादा पक्की हो सकती हैं, जिससे शादी में समझौता करना और ढलना मुश्किल हो जाता है। जब देर से शादी के साथ शादी से पहले सेक्स भी किया जाता है, तो सेक्शुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन फैल सकते हैं। आखिर में, सामाजिक नज़रिए से, देर से शादी के कारण माता-पिता और बच्चों के बीच पीढ़ी का अंतर बढ़ रहा है। ये देर से शादी के कुछ जाने-माने नुकसान हैं।शादी टालने के कई कारणों में से तीन विरोधाभास हैं। पहला विरोधाभास है साथ रहना या शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहना हिंदू संस्कृति के खिलाफ है, जिसे कई युवा टेस्ट ड्राइव समानते हैं। कई विशेषज्ञ बताते हैं कि शादी से पहले साथ रहने का इतिहास में तलाक की ज़्यादा संभावना से संबंध रहा है, इसके बावजूद कि यह माना जाता है कि इससे तलाक कम होते हैं। दूसरी समस्या हैगलत काम करने की इच्छा। कुछ युवाओं का मानना है कि अभी यौन प्रयोग करने औरखाओ, पियो और मज़े करो, वैसे भी कल तो मर ही जाना है का समय है। नतीजतन, ऐसे लोगों में गलत सोच और व्यवहार विकसित होते हैं। इसके अलावा, कई स्टडीज़ से पता चलता है कि जो लोग ज़्यादा यौन संबंध बनाते हैं और जिनके यौन आदर्श ऊंचे होते हैं, उनके शादी के बाद तलाक होने की संभावना ज़्यादा होती है। आखिरी विरोधाभास हैबड़ी उम्र बेहतर है। कई युवा लगभग तीस साल की उम्र तक शादी नहीं करते क्योंकि उनका मानना है कि शादी बंधन, देखभाल और शेयरिंग के प्यारे दिव्य अनुभव के बजाय नुकसान का बदलाव है।

देर से शादी का परिवार की संस्थाओं के बेसिक काम- वंश को आगे बढ़ाने- पर बुरा असर पड़ता है, क्योंकि यह माना जाता है कि शादी का रिश्ता बनना बच्चे पैदा करने के लिए एक ज़रूरी शर्त है। देर से बच्चे पैदा होना, जो आबादी की ग्रोथ पर असर डालता है, देर से शादी के सबसे बड़े बुरे असर में से एक है, खासकर हिंदू समुदाय के लिए। ह्यूमन रिप्रोडक्शन में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, एक महिला की फर्टिलिटी 20 से 30 साल की उम्र के आखिर में कम होने लगती है, न कि तीस से चालीस की उम्र में जैसा पहले सोचा जाता था। कई महिलाओं में ओवरी की क्षमता कम हो जाती है, जिससे उनके प्रेग्नेंट होने के चांस कम हो जाते हैं। शादी में देरी से महिला के बच्चे पैदा करने के साल कम हो जाते हैं और बच्चे पैदा करना मुश्किल हो सकता है। अभी महिलाओं की पहली शादी की औसत उम्र 28 साल से ज़्यादा है। पहली शादी की औसत उम्र के हिसाब से, आधी महिलाएं पहली बार तब शादी करती हैं जब वे और भी बड़ी होती हैं, और कई तीस साल की उम्र के बाद तक बच्चे पैदा करने की कोशिश नहीं करतीं। जैसा कि पहले कहा गया है, अगर फर्टिलिटी बीस से तीस की उम्र में कम होने लगती है, तो महिलाओं को तीस की उम्र के आस-पास प्रेग्नेंट होने में बीस की उम्र की तुलना में ज़्यादा मुश्किल हो सकती है। दुनिया भर में, महिलाएं अपने से पहले की पीढ़ियों की तुलना में कम बच्चे पैदा कर रही हैं। इस वजह से, दुनिया भर में जन्म दर कम हो रही है, जो आबादी में कमी में बड़ा योगदान देती है। देर से शादी से बच्चों में दिक्कतें भी हो सकती हैं। कभी-कभी इन जन्मों से बच्चों को मानसिक बिमारीयों की दिक्कतें होती हैं, भले ही महिला बच्चे को जन्म देने में सक्षम हो।

**बच्चों को जन्म देने पर इसका असर एक नुकसान है। हाल की स्टडीज़ से पता चलता है कि महिलाओं की फर्टिलिटी 30 साल की उम्र के आखिर में कम होने लगती है। ज़्यादा उम्र की माताओं को प्रेग्नेंसी से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं, जैसे मिसकैरेज, जन्मजात बीमारियां, जेस्टेशनल डायबिटीज, लेबर में दिक्कतें और कुछ दूसरी बीमारियां। इसके अलावा, इस बात के भी सबूत हैं कि कुछ बीमारियां, जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, ज़्यादा उम्र के पिताओं के बच्चों को ज़्यादा प्रभावित कर सकती हैं। पार्टनर की पक्की आदतों और विचारों के साथ तालमेल बिठाने में ज़्यादा मुश्किल एक और संभावित नुकसान है।**

जैसे-जैसे इंसान बूढ़ा होता है, ज़िंदगी को लेकर उसका नज़रिया बदल जाता है, और उसे अपने पार्टनर से सहमत होना मुश्किल लग सकता है। जो लोग शादी टालते हैं और बाद में शादी करते हैं, वे ज़्यादा खुले विचारों वाले नहीं होते क्योंकि उनके नियम पक्के होते हैं। इस वजह से, पति-पत्नी के लिए समझौता करना मुश्किल हो जाता है। इस नज़रिए से, जोडीयों के बीच शादी में एडजस्टमेंट की समस्या आती है। अगर लोग 35 साल के बाद शादी करते हैं, तो उनकी व्यक्तित्व मानसिकता पक्की बन सकती है। हालांकि, जब उमर बढ जाती हैं, तो उनके नियम और खास आदतें सामने आती हैं, और उनकी कई सीमाएँ बन जाती हैं। ये सीमाएँ कपल्स के बीच कुछ समझौतों में रुकावट डाल सकती हैं। इस वजह से, कुछ जोडिया किसी बात पर सहमत नहीं हो पाते और तलाक के लिए अर्जी देना चाहते हैं।

माता-पिता और बच्चों के बीच जेनरेशन गैप की संभावना के कारण देर से शादी परिवार और समाज के लिए नुकसानदायक होती है।जेनरेशन गैप शब्द का मतलब है युवा और ज़्यादा उमर के लोगों के बीच बातचीत की कमी या एक ऐसा ज़रूरी समय जो एक देश के अंदर अलग संस्कृती को जन्म देता है। यह अंतर दोनों पीढ़ियों के बीच बातचीत और तालमेल की कमी का कारण बनता है क्योंकि जब वे जवान थे, तब समाज जिस तरह से काम करता था, उसने पुरानी और नई पीढ़ियों के दुनिया को देखने के नज़रिए को आकार दिया। माता-पिता और बच्चों के बीच बहुत सारे झगड़े होते हैं, और देर से शादी इस जेनरेशन गैप को दिखाने का एक तरीका है। उदाहरण के लिए, भले ही वे एक ही भाषा बोलते हों, लेकिन अगली पीढ़ियाँ कभी-कभी अलग-अलग भाषाएँ बोलती हैं। इसके अलावा, अपने दुनिया को देखने के नज़रिए के कारण, माता-पिता शायद ही कभी अपने बच्चों की गलतियों को स्वीकार करते हैं, जिससे समझ और बातचीत की कमी हो सकती है। इसके अलावा, देर से शादी करने वाले जोड़ों और उनके बच्चों के बीच बातचीत कम होती है। उदाहरण के लिए, बूढ़े माता-पिता थकान के कारण अपने बच्चों के साथ खेलने में मुश्किल महसूस कर सकते हैं।

हिंदुओं के लिए इस समस्या का समाधान यह है कि उन्हें अंतरजातीय विवाह करने की आज़ादी दी जाए, जिससे उन्हें लड़की या लड़का ढूंढने के ज़्यादा मौके मिलेंगे। इससे अलग-अलग हिंदू जातियों (जिसमें बौद्ध, जैन और सिख भी शामिल हैं) के बीच रिश्ते मज़बूत होंगे और हिंदू एक साथ आएंगे। गर्भ में लड़की बच्चों की हत्या पूरी तरह से बंद होनी चाहिए। नई पीढ़ी को घर और स्कूल में यह सिखाया जाए कि शादी और परिवार भगवान की देन हैं, न कि कोई अनुबंध वाली ज़िम्मेदारी। हर शादीशुदा जोड़े को तीन बच्चों के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि कुछ पीढ़ियों बाद भी परिवार बना रहे। एक या कोई बच्चा न होने का विचार परिवार और समाज की सभी ज़िम्मेदारियों और मान्यताओं के खिलाफ है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

# सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा

**ड्ड- प्रहलाद सबनानी**

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुल कर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। सहकार से समृद्धि का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है।

भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना-कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं।

इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब सहकार से समृद्धि की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं।

# तुलसी गौड़ा- मौन की महत्ता और जंगल की आत्मा

**- डॉ. प्रियंका सौरभ**

आज जिस दुनिया में हर उपलब्धि को फ़्लैश लाइट, कैमरा और सोशल मीडिया की चमक से मापा जाता है, वहाँ एक वास्तविक नायक का जन्म होना और जीवनभर जीना- यह किसी लोककथा से कम नहीं है। तुलसी गौड़ा- वह नाम जिसे धरती ने सींचा, जंगल ने अपनाया और हवा में हर पत्ती के स्वरूप में जीवन का संदेश छोड़ा। वे केवल एक पर्यावरण-सेवी नहीं थीं, बल्कि जंगल की आत्मा हैं—जिसे हम देखते नहीं, पर उसकी साँस महसूस करते हैं।

तुलसी गौड़ा का जन्म कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के अंकला तालुक के होनाली गाँव में हुआ था, जो आज भी अपनी प्राकृतिक हरियाली के लिए जाना जाता है। वे हलाक्की आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती थीं, एक समाज जो सदियों से प्रकृति के साथ अपने गहरे रिश्ते को अनुभव और परंपरा के रूप में संजोए हुए है। गरीबी, असमर्थता और सामाजिक सीमाओं के बीच उनका जीवन शुरुआत से ही कठिन रहा। उनके पिता का देहांत तब हो गया था जब वे केवल दो वर्ष की थीं, और उनकी माँ के साथ बचपन से ही उन्हें जंगल की गोद में ही मेहनत करनी पड़ी—किसी औपचारिक शिक्षा का अवसर प्राप्त नहीं हो सका और पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान तो वे कभी सीख ही नहीं पाईं। यही अपरंपरिक पृष्ठभूमि उन्हें प्रकृति की अपार समझ और वनस्पतियों के विस्तृत ज्ञान की ओर ले गई।

तुलसी गौड़ा ने जीवन भर जंगल के साथ संवाद किया- कठोर शब्दों में नहीं, बल्कि तमीज़, संवेदना और अनुभव की भाषा में। बचपन से ही जंगल को वह घर के रूप में समझती थीं, पेड़ों को परिवार के सदस्यों की भाँति मानती थीं और मिट्टी की खुशबू को अपनी साँस मानती थीं। उन्होंने लगभग 30,000 से अधिक पौधे स्वयं लगाए और उनकी देखभाल की तथा कई वृक्षों और पौधों के विकास की ऐसी सूक्ष्म बातें जान लीं, जिन्हें पारंपरिक विज्ञान भी सहजता से व्यक्त नहीं कर पाता। इसी वजह से उन्हें पर्यावरण और वनस्पति के क्षेत्र में ÒForest Encyclopedia', यानी जंगल का विश्वकोष कहा गया।

उनके जीवन में कर्तव्य कोई विकल्प नहीं था बल्कि धर्म जैसा था। उन्होंने दशकों तक कर्नाटक के विभिन्न वन क्षेत्रों में पौधों की पोषण, जड़ों से पौधों के उद्धार, मिट्टी में जीव वैज्ञानिक संतुलन तथा पेड़ों को थमने और बढ़ने की विधियाँ अपने अनुभव से सीखी और सिखाईं। वे केवल पौधे नहीं लगाती थीं; वे जीवन के स्वरूप को पुनर्स्थापित करती थीं- हर एक पौधे में वह जीवन के कई रूप देखने में सक्षम थीं, इसलिए वन विभाग और स्थानीय समुदाय के लोग उन्हें (पेड़ों की माता) के नाम से भी पुकारते थे।

उनका यह ज्ञान केवल यांत्रिक वृक्षारोपण का परिणाम नहीं था। वह जंगल की भाषा, मिट्टी की गति, पत्तियों की गिरावट, बीज के अंकन और प्रकृति की अनंत जुड़ाव की भाषा को समझकर आया था। वे मां के दूध की तरह पेड़ों के पोषण को महसूस कर सकती थीं, न कि केवल तकनीक से पढ़ सकती थीं। यही उन सबका सबसे बड़ा योगदान था- उन्होंने हमें यह सिखाया कि प्रकृति को जीना किसी पढ़ाई की किताब से नहीं, बल्कि अनुभव की स्याही से सीखा जाता है।

उनका जीवन उसी भावार्थ में आगे बढ़ा- बिना गम के, बिना घोषणा के, बिना किसी शो-ऑफ की चाह के। वे जंगल विभाग की एक अस्थायी स्वयंसेवक के रूप में अपनी सेवाएँ देने लगीं, जहाँ उन्हें पौधों के नर्सरी का काम सौंपी गई। उनकी लगन, ज्ञान और समर्पण ने उन्हें इतने वर्षों बाद स्थायी पद तक पहुँचा दिया, जहाँ उन्होंने करीब पैंतीस वर्षों तक मजदूरी कार्मिक के रूप में काम किया और उसके बाद पन्द्रह वर्ष के लिए स्थायी कर्मचारी के रूप में वन संरक्षण और हरियाली संवर्धन में कार्य किया। उन्होंने वन विभाग के प्रोजेक्टों को स्थानीय वन्यजीव संरक्षण, आग नियंत्रण और पौधों की प्रजातियों के संरक्षण का एक जीवंत नेटवर्क बनाया।

उनके समर्पण और अनुभव के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। वर्ष 2021 में भारतीय सरकार ने उन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया, जो देश का चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण में उनके अतुलनीय योगदान के लिए। यह सम्मान राष्ट्रपति के हाथों दिया गया, जिससे वर्षों तक शांतिपूर्वक चल रहे उनके काम को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली। इसके अलावा उन्हें इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्षमित्र पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार और बाद में धरवाड़ कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मानद डॉक्टरेट भी प्रदान किया गया- ये सभी सम्मान उनकी सेवा और ज्ञान की विश्वसनीयता को रेखांकित करते हैं।

तुलसी गौड़ा ने स्वयं कहा था कि वे जंगल और पेड़ों को ही अपना सबसे बड़ा सम्मान मानती हैं- उनके लिए हर नया अंकुर, हर हरियाली की पत्ती, धरती की हरी मुस्कान थी, जिसे पाना जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य था। उनकी लोकप्रियता का एक बड़ा पहलू यह भी था कि वे स्वयं कभी किसी दिखावे में नहीं आईं। पद्मश्री पाने के अवसर पर भी वे पारंपरिक स्थानीय परिधान और नग्न पाँव (बेरूफूट) में मैदान में पहुँचीं, यह दिखाते हुए कि वास्तविक सेवा किसी औपचारिक कपड़े, मंच या कैमरे की रोशनी की मोहताज नहीं होती।

तुलसी गौड़ा का जीवन केवल प्रकृति-सेवा की कहानी नहीं है; यह मानवता की धरती के साथ पुनः जुड़ने की अप्रतिम कथा है। उन्होंने वह किया, जो अक्सर हमारी सभ्यता भूल जाती है- धरती को संबंध, सम्मान और पति-पत्नी के समान गहरा बन्धन देना। आज के समय जब लोग पर्यावरण संरक्षण को केवल दिखावे, पोस्टिंग और प्रतिष्ठा के रूप में देखते हैं, उनका सिर्फ ठहरना ही एक जीवंत प्रश्न बन जाता है-क्या हम वास्तव में प्रकृति को समझते हैं या केवल उसके फोटो में स्वयं को महान दिखाते हैं?

तुलसी गौड़ा ने जवाब मौन में दिया। उन्होंने न केवल बीज लगाए बल्कि संस्कार बोए, न केवल पौधे उगाए, बल्कि समझ उपजी, न केवल धरती को हरा किया, बल्कि देश को जागृत किया। जब वे अपने गृह गांव होनाली में अपने घर पर 16 दिसंबर 2024 को 86 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक चल बसें, तब एक युग का अंत नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा का आरंभ हुआ—एक ऐसी प्रेरणा जो हम सभी के भीतर पर्यावरण के प्रति सम्मान की लौ को प्रज्वलित करने की क्षमता रखती है।

आज जब विश्व जल-संकट, वायु प्रदूषण और वन विनाश की समस्याओं से घिरा है, तुलसी गौड़ा की याद हमें यह याद दिलाती है कि परिवर्तन केवल बड़े पहलुओं में नहीं, बल्कि व्यक्ति के प्रत्यक्ष, सकुशल और समर्पित कर्म में निहित है। उनके जीवन का संदेश यह है कि असली सेवा दिखावे से नहीं, चुपचाप, निरंतर और समर्पण-भर प्रयास से होती है।

उनकी कहानी यह भी दर्शाती है कि प्रकृति और मानव का संबंध केवल नया उद्यान लगाने का नहीं, बल्कि उसे समझने, जीने, बचाने और साझा करने का है। तुलसी गौड़ा ने वह सब किया जिसे हम सामाजिक उत्तरदायित्व कहकर भूल जाते हैं। वे केवल जंगल की विश्वकोश नहीं थीं—वे धरती की आत्मा थीं।

उनका जीवन हमें सिखाता है कि असली नायक वह नहीं जो कैमरे में चमकता है, बल्कि वह जो धरती में जीवन का प्रकाश बनाए रखता है। तुलसी गौड़ा को नमन—उनकी शांति, उनकी समझ और उनकी सेवा को याद रखकर ही हम एक स्थायी और हरित भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## राष्ट्रीय खेलों में नैनीताल की ईरा ने तैराकी में दिलाया उत्तराखंड को पहला पदक

एजेंसी

**नैनीताल।** दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित 69वीं एसजीएफआई यानी स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया-2025 राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में उत्तराखंड की ईरा रावत ने 50 मीटर तैराकी स्पर्धा में रजत पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। एसजीएफआई राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में यह उत्तराखंड का पहला पदक है। उल्लेखनीय है कि ईरा रावत नगर के सेंट मेरीज कॉन्वेंट कॉलेज में कार्यरत किरन रावत व देहरादून के व्यवसायी पिता विजेंद्र रावत की इकलौती पुत्री है और नैनीताल के सेंट मेरीज कॉन्वेंट कॉलेज की छात्रा रही हैं। वर्तमान में देहरादून में कक्षा नौ में पढ़ रही हैं। ईरा की सफलता में उनके प्रशिक्षक नीरज चौधरी, नीतेश राणा, शुभम कुमार, सर सिरीज रेडी मत्स्य इन्कॉरपोरेशन, जॉन क्रिस्टोफर बसावन गुड़ी एक्वेटिक सेंटर, उदय चौहान और भरत पुन्या का विशेष योगदान रहा है। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत और शिक्षा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों और शिक्षकों ने ईरा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

## शूटिंग लीग ऑफ इंडिया में यूपी प्रोमेथियंस की एंट्री, उद्घाटन सत्र में होगी शिरकत

**नई दिल्ली।** शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश स्थित फ्रेंचाइज़ी यूपी प्रोमेथियंस को अपने उद्घाटन सत्र के लिए शामिल करने की घोषणा की। लीग का पहला सत्र 16 से 26 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। यूपी प्रोमेथियंस का स्वागत करते हुए नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के अध्यक्ष कालीकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'हमें शूटिंग लीग ऑफ इंडिया परिवार में यूपी प्रोमेथियंस का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उत्तर प्रदेश में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और शिक्षा व विकास आधारित सोच से प्रेरित इस फ्रेंचाइज़ी का जुड़ना लीग के लिए बेहद मूल्यवान है। ' यूपी प्रोमेथियंस फ्रेंचाइज़ी के मालिक मुकेश शर्मा हैं, जो एनआरएआई अध्यक्ष ने आगे कहा, 'यूपी प्रोमेथियंस फ्रेंचाइज़ी के मालिक मुकेश शर्मा का बुनियादी ढांचे और शिक्षा के जरिए अवसर सृजन पर जोर, एसएलआई के विज़न–प्रतिभा को निखारने, युवाओं को प्रेरित करने और भारतीय शूटिंग को अगले स्तर पर ले जाने–से पूरी तरह मेल खाता है।' वह नोएडा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्कूल प्रोमेथियस के संस्थापक और चेयरपर्सन भी हैं। प्रोमेथियस स्कूल में कक्षा 5 (9 वर्ष और उससे अधिक आयु) से शूटिंग को एक संरचित खेल के रूप में पढ़ाया जाता है। यहां तकनीकी कौशल, मानसिक मजबूती, सटीकता और हाथ-आंख समन्वय पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

## टेक महिंद्रा ग्लोबल चैस लीग : गुकेश अर्जुन के दम पर अलस्कन नाइट्स की पहली जीत

**मुबई।** ग्लोबल चेस लीग के तीसरे सत्र के पाँचवें दिन आख़िरकार डी गुकेश और अर्जुन एरिगैसी से सजी टीम अलस्कन नाइट्स नें आख़िरकार लगातार चार हार के बाद वापसी करते हुए अल्पाइन पाइपर्स को पराजित करते ह्यूएब अपनी पहली जीत दर्ज की । पहले बोर्ड पर गुकेश नें फैबियानो कारूआना को , दूसरे बोर्ड पर अर्जुन एरिगैसी नें अनीश गिरी को , तीसरे बोर्ड पर डोमिंगेज पेरेज नें आर प्रज्ञानंदा को और चौंथे बोर्ड पर लाग्नो कैटरिना नें हाउ ईफ़ान को पराजित करते हुए आख़िरकार टीम का खाता खोल दिया । आख़िरी के दो बोर्ड अल्पाइन के पक्ष में गए पर अलस्कन नाइट्स नें 12-8 से जीत दर्ज कर ली । टीम अभी भी अंतिम पायदान पर है पर प्रतियोगिता के आधे चरण के अंत में आई यह जीत अभी भी उनके प्ले ऑफ में पहुँचने की उम्मीद को क़ायम रखें हुए है । अन्य दो मुकाबलों में त्रिवेणी कॉंटिनेंटल किंग्स नें सबसे आगे चल रही मुम्बा मास्टर्स को अलीरेजा फ़िरोज़ा के दम पर 9-5 से पराजित करते हुए एकल बढ़त क़ायम कर ली है तो वही जावोखीर सिंदारोव के दम पर गैंग्स ग्रैंड मास्टर्स नें अमेरिकन गैम्बिट को 8-7 के करीबी अन्तर से पराजित करते हुए खुद को शीर्ष 3 में क़ायम रखा है ।

## विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी अल्काराज़ ने चुना नया कोच, फेररेरो से 7 साल की साझेदारी तोड़ी

**मैड्रिड:** विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने लंबे समय के कोच जुआन कार्लोस फेररेरो के साथ सात साल की साझेदारी समाप्त करने का ऐलान किया है। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी ने यह जानकारी सोशल मीडिया के जरिये साझा की। अल्काराज ने महज 15 साल की उम्र में फेररेरो के साथ काम करना शुरू किया था। उनके मार्गदर्शन में अल्काराज ने टेनिस जगत में तेजी से उभरते हुए विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और अब तक छह ग्रैंड स्लैम खिताब सहित कुल 22 टूर्नामेंट अपने नाम किए।

**सोशल मीडिया पर भावुक संदेश**

कोच से अलग होने के फैसले पर अल्काराज़ ने कहा, 'हमने मिलकर शिखर तक का सफर तय किया। मुझे लगता है कि अगर हमारी खेल यात्राएं अलग होनी हैं, तो यह उसी मुकाम पर होनी चाहिए, जहां तक पहुंचने का हमने हमेशा सपना देखा था।'

**नया कोच, नई चुनौती**

खेल अखबार डायरियो AS की रिपोर्ट के मुताबिक, अब सैमुएल लोपेज अल्काराज के नए कोच होंगे। लोपेज इससे पहले पाब्लो करेनो बुस्टा के कोच रह चुके हैं। अल्काराज़ अब 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन की तैयारी नए कोच के साथ करेंगे। फेररेरो के साथ अलगाव के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि नए कोच के मार्गदर्शन में अल्काराज अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाते हैं।

# ईशान किशन की कप्तानी में झारखंड ने रचा इतिहास, जीता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी

**पुणे।** झारखंड क्रिकेट के लिए दिन ऐतिहासिक बन गया, जब ईशान किशन की कप्तानी में टीम ने पहली बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (SMAT 2025) का खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने हरियाणा को 69 रनों से हराकर अपने घरेलू क्रिकेट इतिहास का दूसरा बड़ा खिताब अपने नाम किया। इससे पहले झारखंड ने 2010-11 में विजय हजारे ट्रॉफी जीती थी। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड की शुरुआत भले ही खराब रही और विराट सिंह जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद कप्तान ईशान किशन ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। ईशान ने 49 गेंदों में 10 छक्कों और 6 चौकों की मदद से शानदार 101 रन बनाए। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में शतक लगाने वाले पहले कप्तान बने।

उनका साथ कुमार कुशाग्र ने बखूबी निभाया, जिन्होंने 38 गेंदों पर 81 रनों की विस्फोटक पारी खेली। निचले क्रम में अनुकूल रॉय (नाबाद 40) और रॉबिन मिंज (नाबाद 31) की बदौलत झारखंड ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 262 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हरियाणा की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। कप्तान अंकित कुमार और आशीष सिवाच बिना खाता खोले आउट हो गए। यशवर्धन दलाल और निशांत सिंधु ने जरूर साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने यह नाकाफी साबित हुआ। हरियाणा की पूरी टीम 18.3 ओवर में 193 रन पर सिमट गई। झारखंड की ओर से सुशांत मिश्रा और बाल कृष्णा ने 3-3 विकेट झटके, जबकि विकाश सिंह और अनुकूल रॉय ने 2-2 विकेट हासिल किए। शानदार शतक के लिए ईशान किशन को फाइनल का प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, वहीं पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अनुकूल रॉय को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार मिला।

## दर्शकों को कोहरे के कारण रद्द हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 मैच के टिकट के पैसे मिलेंगे वापस, यूपीसीए ने की घोषणा

एजेंसी

**लखनऊ।** घने कोहरे और अत्यधिक कम दृश्यता के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाने वाला चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने दर्शकों को टिकट के पैसे रिफंड करने की घोषणा की है। यूपीसीए ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि ऑनलाइन माध्यम से टिकट खरीदने वाले दर्शकों को टिकट की पूरी राशि स्वतः उनके मूल भुगतान माध्यम में वापस की जाएगी। रिफंड से जुड़ी विस्तृत जानकारी पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेजी जाएगी। दर्शकों से अपने ईमेल पर नजर बनाए रखने का अनुरोध किया गया है। बयान में आगे कहा गया कि ऑफलाइन टिकट खरीदने वाले दर्शक 20, 21 और 22 दिसंबर 2025 को सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक इकाना स्टेडियम के गेट नंबर-2 स्थित बॉक्स ऑफिस से रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए मूल टिकट, सरकारी पहचान पत्र की प्रति, बैंक विवरण और रिफंड फॉर्म जमा करना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद रिफंड की राशि सीधे दर्शकों के बैंक खाते में भेजी जाएगी। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने दर्शकों से असुविधा के लिए खेद जताते हुए उनके धैर्य और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है।

## एचआईएल 2026 : जूनियर वर्ल्ड कप के नायक प्रिंस दीप सिंह दिग्गज गोलकीपर डेविड हार्टे से सीखने को उत्सुक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** एफआईएच हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह अब हीरो हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) 2026 को लेकर पूरे आत्मविश्वास में हैं। तमिलनाडु ड्रैगन्स के इस उभरते खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान कई अहम बचाव किए, खासकर क्वार्टरफाइनल में बेल्जियम के खिलाफ शूटआउट में उनकी शानदार सेव्स चर्चा में रहीं। जूनियर वर्ल्ड कप के अनुभव को लेकर प्रिंस दीप ने कहा, 'इस टूर्नामेंट के बाद मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है। घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा खेलने से बहुत प्रेरणा मिली। जब मैं सेव करता था और दर्शक तालियां बजाते थे, तो और बेहतर करने का हौसला मिलता था। ' शूटआउट के यादगार पल को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'जब मैंने चौथा शूटआउट बचाया तो स्टेडियम में जबरदस्त शोर था। पांचवें शॉट से पहले मुझे पूरा भरोसा था कि मैं इसे भी रोक लूंगा और वही हुआ। वह डबल-सेव मेरे लिए सबसे खास पल

> **भारतीय पुरुष जूनियर टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में भी प्रिंस दीप के खेल में बड़ा बदलाव आया है।**

था। ' हीरो एचआईएल 2026 में प्रिंस दीप एक बार फिर तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए खेलते नजर आएंगे, जहां उनके साथ आयरलैंड के दिग्गज गोलकीपर डेविड हार्टे भी होंगे। पिछले सीजन में हार्टे के साथ बिताए समय को प्रिंस दीप अपने करियर के लिए बेहद अहम मानते हैं। उन्होंने कहा, 'डेविड हार्टे ने मुझे दबाव में खुद को संभालना सिखाया। पहले मैं जल्दी गिर जाता था, लेकिन उन्होंने समझाया कि आखिरी पल तक पैरों पर टिके रहना और फिर प्रतिक्रिया देना कितना जरूरी है। '

भारतीय पुरुष जूनियर टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के मार्गदर्शन में भी प्रिंस दीप के खेल में बड़ा बदलाव आया है। इस साल उन्होंने सुल्तान ऑफ जोहोर कप में रजत और जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीता। तमिलनाडु ड्रैगन्स को लेकर प्रिंस दीप ने कहा, 'पिछले सीजन सेमीफाइनल में हार मिली थी, लेकिन इस बार हम अपनी गलतियों से सीखेंगे। टीम संतुलित है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। '

हीरो मेंस हॉकी इंडिया लीग 2026 की शुरुआत 3 जनवरी 2026 से होगी, जहां तमिलनाडु ड्रैगन्स अपने घरेलू मैदान चेन्नई में हैदराबाद तूफान्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

# पिस्टल निशानेबाज सम्राट राणा के लिए बेहद यादगार साबित हुआ 2025 का साल

एजेंसी

**काहिरा।** भारत के युवा पिस्टल निशानेबाज सम्राट राणा के लिए 2025 का साल बेहद यादगार साबित हुआ है। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने काहिरा में पिछले महीने आयोजित विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में उनके स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रदर्शन को वर्ष की शीर्ष पांच प्रस्तुतियों में शामिल किया है।

हरियाणा के करनाल के 20 वर्षीय सम्राट राणा ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस इवेंट में सीनियर स्तर पर व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज़ बने। सम्राट ने इसी प्रतियोगिता में अपने पसंदीदा इवेंट में एशियाई पदक विजेता ईशा सिंह के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम स्पर्धा में रजत पदक भी हासिल किया। टॉप-5 प्रदर्शनकर्ताओं की घोषणा करते हुए आईएसएसएफ ने कहा, 'इस सीजन चीन के हू काई को हराने वाले एकमात्र निशानेबाज़

सम्राट राणा रहे। उन्होंने दबाव में गजब का संयम दिखाते हुए ऐसा उलटफेर किया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।' आईएसएसएफ के अनुसार पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में सम्राट ने शुरुआत में मामूली बढ़त बनाई, लेकिन छह शॉट बाकी रहते हू काई ने बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद सम्राट ने लगातार दो सीरीज में 10.9 का स्कोर कर मुकाबले में वापसी की। अंतिम दो शॉट से पहले वह 0.1 अंक से पीछे थे, लेकिन 10.2 और 10.6 के शानदार शॉट लगाकर बढ़त बनाई और अंततः स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे सीजन शानदार फॉर्म में रहे विश्व नंबर-1 हू काई को विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक तक सीमित करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि रही। इस स्पर्धा में भारत के ही वरुण तोमर (बागपत, उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीता, जिससे एक ही इवेंट में भारत के दो निशानेबाज़ों का पोडियम पर पहुंचना भी पहली बार संभव हुआ। हालांकि, सीजन के अंतिम मुकाबले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल (दोहा) में हू काई ने बदला चुकता करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि सम्राट राणा (विश्व नंबर-6) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

# राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप: केतन मलिक ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

एजेंसी

**नई दिल्ली।** हरियाणा की केतन मलिक ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतकर नया राष्ट्रीय चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले गए इस मुकाबले में केतन ने पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता मनु भाकर और एशियाई खेलों की चैम्पियन पालक गुलिया जैसे दिग्गजों को पछाड़ते हुए 240.0 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दिल्ली की मीनू पाठक ने 238.4 अंकों के साथ रजत, जबकि सुरभि राव ने 219.5 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

जूनियर महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश की वंशिका चौधरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 अंक जुटाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने अंजलि शेखावत को महज 0.2 अंकों से पीछे छोड़ा, जिन्हें

रजत पदक मिला। पालक गुलिया ने कांस्य पदक जीता। वहीं युवा (यूथ) वर्ग में आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट की लक्षिता बिश्नोई ने कड़े मुकाबले में रश्मिका सहगल को 0.6 अंकों से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि संस्कृति बाना ने कांस्य पदक हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में 39 रिले के दौरान 900 से अधिक निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। पालक गुलिया ने 582-24× के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया। मनु भाकर भी 582 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। केतन मलिक 581-16× के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। सीनियर फाइनल में मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं, जबकि मोहिनी सिंह चौथे स्थान पर रहीं। जूनियर फाइनल में केतन मलिक ने भी भाग लिया और छठा स्थान हासिल किया।

टीम स्पर्धाओं में हरियाणा ने सीनियर महिला टीम में 1735 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली ने रजत और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट ने कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर महिला टीम स्पर्धा में भी हरियाणा ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि यूथ (सब-जूनियर) महिला टीम वर्ग में दिल्ली ने पहला स्थान हासिल किया।इस तरह 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के निशानेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर प्रतियोगिता को रोमांचक बना दिया।

## हिन्दू कालेज में अंतरमहाविद्यालयी शूटिंग चैम्पियनशिप एवं ट्रायल्स का आयोजन

एजेंसी

**मुरादाबाद।** हिंदू कॉलेज मुरादाबाद द्वारा गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद के तत्वावधान में अंतरमहाविद्यालयी शूटिंग चैम्पियनशिप एवं ट्रायल्स का सफल आयोजन हॉक आई शूटिंग इंस्टिट्यूट, गौर ग्रेशियस में किया गया। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय द्वारा नामित पर्यवेक्षक डा. अनीता फरस्वान की निगरानी में तथा नामित विशेषज्ञ पुष्कर देओल के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर पिस्टल (महिला वर्ग) में प्रथम किम्पी, द्वितीय सुहानी, तृतीय वंदना, 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष वर्ग) में प्रथम यश, द्वितीय अरुण एवं तृतीय हसन 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में प्रथम कानू, द्वितीय मनु, 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष वर्ग) प्रथम प्रियांशु, द्वितीय शिखर, तृतीय यश रहे। प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी जनवरी माह के अंतिम सप्ताह में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप में गुरु जम्भेश्वर

विश्वविद्यालय, मुरादाबाद का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर आयोजन सचिव पंकज सिंह ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में केजीके कॉलेज के क्रीड़ा सचिव प्रो. अनिल चौहान, हिन्दू कॉलेज, मुरादाबाद की क्रीड़ा समिति के सदस्य डॉ. मोहम्मद साकिब, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. चंद्रजीत कुमार यादव, रोहित चौहान सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# ट्रैविस हेड ने ब्रैडमैन और स्मिथ के बाद बनाया खास रिकॉर्ड, इंग्लैंड को एडिलेड में खूब 'पीटा'

एजेंसी

**एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया)।** ऑस्ट्रेलियाई स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में इंग्लैंड को खूब 'पीटा' (शतक) और डॉन ब्रैडमैन तथा स्टीव स्मिथ के साथ खास रिकॉर्ड बना दिया है। हेड शानदार शतक लगाने के बाद अपने देश के एक क्रिकेट मैदान पर लगातार 4 शतक लगाने वाले क्रिकेट दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। ट्रैविस ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की शतकीय साझेदारी के बाद संघर्ष कर रही इंग्लैंड टीम के लिए उम्मीद और वादे से भरी सुबह की शुरुआत हुई जिसमें जेक वेदरल्ड को आउट करके शुरुआती

विकेट लिया गया, लेकिन यह एक और बुरे सपने वाले दिन में बदल गया क्योंकि ट्रैविस ने इंग्लिश लाइन-अप की धुनाई की और दिन का अंत 196 गेंदों में शानदार 142* रन बनाकर किया जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे, स्ट्राइक रेट 72 से अधिक था। हेड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने जनवरी 2012 और दिसंबर 2014 के बीच एडिलेड में लगातार चार टेस्ट शतक बनाए हैं। उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (175), 2024 में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ (119) और पिछले साल भारत के खिलाफ (140) एडिलेड में शतक बनाए हैं। अब उन्होंने एक और शानदार शतक लगाया है जो उनके घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को जारी रखता है। हेड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (1928 से 1932 तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में), माइकल क्लार्क (2012 से 2014 तक एडिलेड में), स्टीव स्मिथ (2014 से 2017 तक स्थल में) और इंग्लिश दिग्गज वैली हैमंड (1928 से 1936 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में) की एलीट कंपनी में शामिल हो गए हैं।

# दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

एजेंसी

**बरेली ।** मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में 17 व 18 दिसम्बर को रेलवे स्पोर्ट्स स्टेडियम, इज्जतनगर में दो दिवसीय जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल रहीं। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में कबड्डी (बालक व बालिका वर्ग), खो-खो, 400 मीटर बालक दौड़, 100 मीटर बालिका दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक व चक्का फेंक सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें विकासखंड आलमपुर जाफराबाद, फरीदपुर, शेरगढ़, क्यारा सहित पांच विकासखंडों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कबड्डी बालक वर्ग में फरीदपुर की इंडियन बॉय टीम

विजेता रही, जबकि आलमपुर जाफराबाद की टीम उपविजेता बनी। बालिका कबड्डी में दुर्गा टीम क्यारा ने प्रथम तथा रानी लक्ष्मीबाई टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खो-खो में चाहरपुर की टीम विजेता रही। एथलेटिक्स में लम्बी कूद बालिका वर्ग में खुशबू प्रथम, सोनम द्वितीय व प्रज्ञा तृतीय रहीं। 400 मीटर बालक दौड़ में सैंडी ने प्रथम, ओमेंद्र ने द्वितीय और शिवांश ने तृतीय स्थान पाया। 100 मीटर बालिका दौड़ में नीलम प्रथम, आरती द्वितीय व शीला तृतीय रहीं। गोला फेंक में कंचन यादव और भाला फेंक में ममता ने जीत दर्ज की। कार्यक्रम का आयोजन उपनिदेशक पुष्पा सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान भूपेंद्र सिंह, विशाल यादव, अनीता वर्मा, फिरोज सिद्दीकी, विमल कुमार, मानवेंद्र सिंह सहित युवा क्लबों के अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## दिल्ली की अंजू ने दंगल में हरियाणा की कोमल को पछाड़ा

एजेंसी

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सरीला क्षेत्र के चंडौत गांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्द हवाओं के बीच भव्य दंगल का आयोजन किया गया, जिसमें पहले दिन अतिथि रामसहोदर नेता, कामता राजपूत, देवेंद्र राजपूत, ज्ञानसिंह ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर कुश्ती का शुभारंभ कराया। गांव में दो दिवसीय दंगल के पहले दिन दो दर्जन से अधिक कुश्तियां हुईं। दंगल में मसगाँव के लेखराज ने कानपुर के भीमकांत को कड़ी मशक्कत के बाद चित किया। शोभित गोरखपुर ने कैलाश रायबरेली को अखाड़े की धूल चटाई, लींगा के प्रीतम ने इंचौली के राकेश को हराया। मथुरा के वीरबहादुर और आगरा के बिच्छू के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें बिच्छू ने विजय हासिल की। कानपुर के राहुल ने मैनपुरी के जय को मात दी, चंडौत के सुनील ने राणा के दिलीप को चित किया वहीं महिला पहलवान अंजू दिल्ली ने कोमल हरियाणा को कड़े संघर्ष में हराया। बिनय बलरामपुर और अमर सिंह धौहल एवं मंगल सिंह रहटिया और उदल धौहल के बीच कुश्ती बराबरी पर रही। दंगल को देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे। दर्शकों ने अपने-अपने पहलवानों का तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया। दंगल में रेफरी की भूमिका महिपाल, गुलाब ने निभाई व संचालन शीलू महाराज परासन ने किया।

# BLW के संदीप यादव बने उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम के मुख्य कोच

एजेंसी

**वाराणसी।** बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) ने एक बार फिर खेल के क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान दर्ज कराई है। लोको निर्माण के साथ-साथ खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए पहचाने जाने वाले बरेका के बास्केटबॉल टीम के मुख्य कोच एवं मुख्य कार्यालय अधीक्षक संदीप यादव को उत्तर प्रदेश बास्केटबॉल संघ द्वारा उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति बरेका के लिए गर्व और सम्मान का विषय मानी जा रही है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में टीम का नेतृत्व करेंगे संदीप यादव

संदीप यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम 04 जनवरी से 11 जनवरी 2026 तक चेन्नई, तमिलनाडु में आयोजित 75वीं सीनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेगी। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, जिसके लिए तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है।

आगरा में लगेगा प्री-कोचिंग कैंप

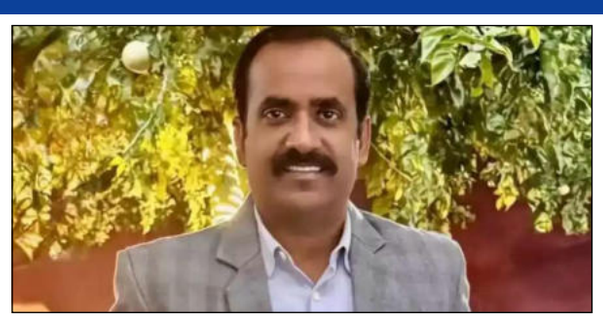

राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी के क्रम में उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम का प्री-कोचिंग कैंप 18 दिसंबर 2025 से 01 जनवरी 2026 तक आगरा में आयोजित किया जाएगा। इस कैंप के दौरान श्री संदीप यादव खिलाड़ियों को तकनीकी, शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाने का प्रशिक्षण देंगे, ताकि टीम राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन कर सके।

**कोचिंग का लंबा और सफल अनुभव**

उल्लेखनीय है कि संदीप यादव इससे पहले उत्तर प्रदेश पुरुष एवं महिला अंडर-23 बास्केटबॉल टीम के कोच के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में कई खिलाड़ियों ने राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उनके अनुभव और रणनीतिक दृष्टिकोण से सीनियर महिला टीम को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

**बरेका में उत्साह और गर्व का माहौल**

इस उपलब्धि से बरेका के खिलाड़ियों, अधिकारियों और खेल प्रेमियों में उत्साह और गर्व का वातावरण है। यह सफलता न केवल बरेका की खेल परंपरा को मजबूती देती है, बल्कि कर्मचारियों और युवाओं में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का भी कार्य करती है। बरेका लगातार खेलों के माध्यम से प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

**जन संपर्क अधिकारी ने दी शुभकामनाएं**

बरेका के जन संपर्क अधिकारी एवं बास्केटबॉल सचिव श्रीराजेश कुमार ने श्री संदीप यादव को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सीनियर महिला बास्केटबॉल टीम राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करेगी।

## भारत का क्रेडिट भविष्यः गैर बैंक चैनल, एनबीएफसी की गति और एम्बेडेड फाइनेंस

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत की वित्तीय तंत्र एक शांत लेकिन गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। बेशक बैंक अभी भी कर्ज वितरण की नींव हैं। लेकिन हाल के वर्षों में गैर बैंक वित्तीय माध्यमों जैसे एनबीएफसी, कॉरपोरेट बॉन्ड, इक्विटी और विदेशी पूंजी की ओर झुकाव तेज़ी से बढ़ा है। नियामकीय सुधार, डिजिटल ढांचा और बदलती कर्जधारकों की पसंद इस बदलाव को और आगे बढ़ा रही हैं। नतीजा एक ज्यादा विविध और मजबूत क्रेडिट तंत्र के रूप में आपके सामने है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024-25 में कॉरपोरेट सेक्टर को कुल 35 लाख करोड़ रुपए का फंड मिला । भले ही सालाना आधार पर इसमें 3फीसदी की ही मामूली वृद्धि है। लेकिन सबसे अहम है इसकी विविध संरचना। लगभग आधा फंड यानी 17.1 लाख करोड़ रुपए (49फीसदी) गैर बैंकिंग चैनलों से आया। इनमें एनबीएफसी कर्ज, कॉरपोरेट बॉन्ड, इक्विटी इश्यू और एफडीआई शामिल हैं। इसके मुकाबले बैंकों से मिलने वाले कर्ज 14फीसदी घटकर 17.9 लाख करोड़ रुपए ही रह गए । कंपनियों ने उसकी जगह तेजी वाले शेयर बाजारों का रुख किया। यहां उन्होंने 3.8 लाख करोड़ रुपए को पूंजी शेयरों के जरिए एकत्र की । यह पिछले साल से लगभग तीन गुना था। कॉरपोरेट बॉन्ड और कमर्शियल पेपर के माध्यम से उधारी भी 15फीसदी बढ़कर 2.1 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

## टैली सॉल्यूशन्स ने पेश किया टैलीप्राइम 7.0

**नई दिल्ली।** देश की अग्रणी बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर कंपनी टैली सॉल्यूशन्स ने टैलीप्राइम 7.0 पेश किया है जिसे विशेष रूप से एमएसएमई को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि टैलीप्राइम 7.0 एकीकरण को बेहतर बनाता है, स्मार्ट ऑटोमेशन और मजबूत डेटा सुरक्षा के साथ व्यवसायों को सहज अनुभव प्रदान करता है। भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक के साथ बेहतर एकीकरण के जरिये अब व्यवसाय सीधे टैलीप्राइम के भीतर भुगतान कर सकते हैं, रियल-टाइम बैलेंस और स्टेटमेंट देख सकते हैं। इससे रोजमर्रा के वित्तीय कार्य अधिक तेज, पारदर्शी और भरोसेमंद बनते हैं। एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड के सहयोग से विकसित भारत कनेक्ट फॉर बिजनेस के माध्यम से खरीदार और विक्रेता के बीच इनवॉइस और भुगतान अपने-आप जुड़ जाते हैं। इससे मानवीय हस्तक्षेप कम होता है। टैलीप्राइम 7.0 में बेहतर टैलीड्राइव अनुभव भी शामिल है, जो व्यावसायिक डेटा को और अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाता है। उन्नत एन्क्रिप्शन, मजबूत डेटा इंटीग्रिटी जांच और ऐसा डिजाइन जिसमें डेटा पूरी तरह व्यवसाय के नियंत्रण में रहता है।

## अब सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक ही लोगो होगा

**नई दिल्ली।** राज्य स्तर पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण के बाद सरकार ने अब उनके लिए नया लोगो जारी किया गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह लोगो राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के साथ मिलकर जारी किया गया है। यह देश में काम कर रहे सभी 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए एकीकृत ब्रांड पहचान स्थापित करेगा। इससे उनकी पहचान और विजिबिलिटी मजबूत होगी। इस लोगों में एक लौ है जो तीन स्तरों से मिलकर बनी है। मंत्रालय ने बताया कि यह लौ ऊष्मा, ज्ञान और ग्रामीण आबादी को सशक्त बनाने का संकेत देती है। यह लौ ऊपर की तरफ जा रहा है जो प्रगति का प्रतीक है और ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में विकास, उन्नति तथा प्रगति को दर्शाता है। इसमें हाथ भी दिख रहा है जो संरक्षण और पोषण का प्रतीक है। यह ग्रामीण समुदायों के प्रति देखभाल, सहयोग और सहायता का संदेश देता है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरआरबी के लोगो के रंग भी उनके उद्देश्यों को दर्शाने के लिए चुने गये हैं। गहरा नीला रंग वित्त और विश्वास का प्रतीक है, जबकि हरा रंग जीवन और विकास का संकेत देता है, जो ग्रामीण भारत की सेवा के उनके मिशन को प्रतिबिंबित करता है।

## चावल, चीनी, दालें मजबूत; गेहूं नरम; खाद्य तेलों में घट-बढ़

**नई दिल्ली।** घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही। चीनी और दालों के दाम भी बढ़ गये। वहीं, खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत आठ रुपये बढ़कर 3,872 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं आठ रुपये सस्ता हुआ और 2,859 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत चार रुपये घट गयी।

दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल 54 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 31 रुपये और मूंग दाल की 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चना दाल नौ रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई।

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 13 रिंगिट चढ़कर 3,979 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 प्रतिशत गिरकर में 49.07 डॉलर के भाव बोला गया।

स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल 42 रुपये और वनस्पति 34 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत तीन रुपये बढ़ गयी। मूंगफली तेल 47 रुपये और सरसों तेल 34 रुपये सस्ता हुआ। सोया तेल 32 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

# फ्लिपकार्ट से त्योहारी सीजन में 4 लाख लोगों को मिला रोजगार, दरवाजे तक पहुंची खुशियां

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने त्योहारी सीजन के दौरान तेज डिलीवरी के नए रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी सृजित किए हैं। कंपनी ने 2025 के त्योहारी सीजन के दौरान चार लाख से अधिक मौसमी नौकरियों का सृजन किया, जिससे देशभर में लाखों परिवारों की आजीविका का सहारा मिला है। कंपनी ने अपने मजबूत कार्यबल और टेक्नोलॉजी से संचालित लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के दम पर अपने प्रतिष्ठित बिग बिलियन डेज सेल का सफल आयोजन किया। इस दौरान रिकॉर्ड संख्या में ऑर्डर्स की डिलीवरी की गई, जिसमें सेम-डे और नेक्स्ट-डे डिलीवरी में 44 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आधी रात में ऑर्डर किए गए एक अप्लायंस को मात्र 15 मिनट में डिलीवर कर दिया गया, जबकि एक टीवी को डिलीवरी के मात्र 36 मिनट के भीतर इंस्टॉल कर दिया गया। फ्लिपकार्ट ने कहा कि इस साल के त्योहारी सीजन में टियर-2 और टियर-3 शहरों ने कंपनी की वृद्धि में अहम भूमिका निभाई। बिग बिलियन डेज (बीबीडी) सेल के दौरान कुल ऑर्डरों में इन शहरों की हिस्सेदारी 60 फीसदी से अधिक रही है, जो उभरते भारतीय बाजारों में ऑनलाइन खरीदारी की बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाती है। इस पूरे त्योहारी सीजन में फ्लिपकार्ट की सप्लाई चेन ने यह साबित किया कि टेक्नोलॉजी और लोगों को केंद्र में रखकर किस तरह भारत की त्योहारी तेजी को नई रफ्तार दी जा सकती है। कंपनी के मुताबिक व्यस्तम दिनों (पीक डेज) में फ्लिपकार्ट ने हर मिनट 5,000 से ज्यादा शिपमेंट मूव किए। टेक्नोलॉजी आधारित डिमांड सेंसिटिव सप्लाई चेन इन्फ्रास्ट्रक्चर से यह संभव हुआ। फ्लिपकार्ट ने पिछले साल के मुकाबले ऑर्डर के दिन (सेम डे) और अगले दिन (नेक्स्ट डे) डिलीवरी में 44 फीसदी का उछाल देखा, जो ग्राहकों की बढ़ती उम्मीदों और कंपनी की बढ़ती क्षमता को दिखाता है। कंपनी ने बताया कि? एक दिन में 73 लाख से ज्यादा शिपमेंट यानी हर घंटे औसतन 3 लाख से ज्यादा शिपमेंट के साथ फ्लिपकार्ट नेटवर्क ने सटीक तरीके से काम किया। फ्लिपकार्ट ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान कंपनी के परिचालन को इंटेलीजेंट सप्लाई चेन से ताकत मिली, जिससे तेजी से और लगातार करोड़ों यूनिट्स को मूव करना संभव हुआ। एआई-पावर्ड फोरकास्टिंग, एमएल आधारित प्लानिंग और रियल आइम कैपेसिटी ऑर्केस्ट्रेशन से ज्यादा मांग वाले समय में भी नेटवर्क मजबूत बना रहा। साथ ही ऑटोमेटेड इन्वेंटरी प्लेसमेंट और एआई आधारित आईडब्ल्यूआईटी (इंटर वेयरहाउस इन्वेंटरी ट्रांसफर) से स्टॉक की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिली। इसके अलावा फुलफिलमेंट सेंटर्स में एजीवी, रोबोटिक आर्म, क्रॉस बेल्ट सॉर्टर और सेंसर आधारित ट्रैकिंग से टर्नअराउंड टाइम को कम करने में मदद मिली।

## निसान मोटर की 7 सीटर एमपीवी ग्रेवाइट जनवरी में होगी लॉन्च, मार्च से शो रूम में मिलेगी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** निशान मोटर इंडिया ने अपनी नई कॉम्पैक्ट बी-एमपीवी ग्रेवाइट से पर्दा उठा दिया है। यह गाड़ी भारत में 2026 की शुरुआत में लॉन्च की जाएगी, जो मार्च 2026 से शो रूम में उपलब्ध होगी। हालांकि, कंपनी ने इसकी कीमत का खुलासा अभी नहीं किया है। यह भारत के लिए ब्रांड की रीफ्रेश्ड एवं स्ट्रेटजिक लाइन-अप के तहत लॉन्च किया गया पहला मॉडल होगा। इससे निसान के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार को गति मिलेगी। निसान मोटर इंडिया ने कहा कि अपनी महत्वाकांक्षी प्रोडक्ट ऑफेंसिव के तहत दूसरे मॉडल के रूप में जुलाई, 2024 में ग्रेवाइट की घोषणा की गई थी। ये कंपनी के विकास की गति को दिखाने वाला मॉडल है। कंपनी के प्रोडक्ट रोडमैप में 2026 की शुरुआत में ग्रेवाइट की लॉन्चिंग, 2026 के मध्य में टेक्टॉन और 2027 की शुरुआत में7-सीटर सी-एसयूवी की लॉन्चिंग शामिल है। इससे भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी ऑफरिंग को विविध, मजबूत और रीवाइटलाइज करने की निसान की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है। कंपनी ने बताया कि केबिन में शानदार खुलेपन और खास क्लास-लीडिंग स्टोरेज इनोवेशन के साथ ग्रेवाइट परिवारों के सफर को खास बनाएगी। इसके हर पहलू को खास तौर पर विविधता को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें पैसेंजर एवं कार्गो की अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से एडाप्ट करने वाली अल्ट्रा मॉड्यूलर सीटिंग है। इससे स्मार्ट तरीके से स्पेस यूटिलाइजेशन होता है, जो रोजाना के सफर के साथ-साथ फैमिली रोड ट्रिप के लिए भी सुगम है। 2026 की शुरुआत में ग्रांड डेब्यू के लिए तैयार ऑल न्यू ग्रेवाइट को चेन्नई स्थित प्लांट में मैन्युफैक्चर किया जाएगा। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा कि ऑल न्यू ग्रेवाइट बदलते भारतीय बाजार पर निसान मोटर इंडिया के नए सिरे से फोकस करने का सबूत है। यह मॉडल देश के ताने-बाने में गहराई से जुड़ा हुआ है ।

# वित्त मंत्रालय ने देश के 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का नया लोगो किया लॉन्च

एजेंसी

**नई दिल्ली।** वित्त मंत्रालय ने 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यरत 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए एक नया लोगो लॉन्च किया है, जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को राष्ट्रव्यापी स्तर पर विशिष्ट, आधुनिक और आसानी से पहचानी जाने वाली ब्रांड पहचान मिलेगी।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने वन स्टेट वन आरआरबी (एक राज्य, एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक) के सिद्धांत पर 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यरत 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का एकीकरण किया है, जो 1 मई, 2025 से प्रभावी हो गया है। इसके बाद अब सिंगल और यूनिफाइड ब्रांड पहचान दिलाने के लिए देश के सभी 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए एक साझा 'लोगो' का अनावरण किया गया है। यह ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाले इन संस्थानों की पहचान और विजिबिलिटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह सुधार अधिक मजबूत और कुशल क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के निर्माण की दिशा में एक निर्णायक कदम है। वर्तमान में 28 आरआरबी 700 से अधिक जिलों में 22,000 से ज्यादा शाखाओं के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में प्रगति और विकास की थीम को दर्शाते हुए यह लोगो आरआरबी के मूल्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे। लोगो में ऊपर की ओर संकेत करता तीर (प्रगति का प्रतीक) है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में होने वाली वृद्धि, विकास और निरंतर उन्नति को दर्शाता है।

वित्त मंत्रालय ने कहा कि लोगो में हाथ (पोषण का प्रतीक) ग्रामीण समुदायों के प्रति संवेदनशीलता, निरंतर सहयोग और सहायता का भाव प्रकट करता है। लौ (ज्ञानोदय का प्रतीक) है, जो आत्मीयता, ज्ञान और ग्रामीण आबादी के सशक्तीकरण को दर्शाती है। आरआरबी के लोगो के रंगों का चयन अत्यंत सोच-समझकर किया गया है, ताकि वे इन बैंकों के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से व्यक्त कर सकें। इसमें गहरा नीला रंग वित्त और भरोसे का प्रतीक है, जबकि हरा रंग जीवन और विकास को दर्शाता है।

## एक्सिस बैंक और गूगल पे ने लॉन्च किया 'फ्लेक्स' क्रेडिट कार्ड

एजेंसी

**नई दिल्ली/नागपुर।** एक्सिस बैंक और गूगल पे ने मिलकर गूगल पे फ्लेक्स एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। यह अपनी तरह का पहला को-ब्रांडेड कार्ड है, जो क्रेडिट खर्च को सीधे भारत के यूपीआई इकोसिस्टम में लाता है। एक्सिस बैंक की तरफ से जारी की गई जानकारी में बताया गया है कि गूगल के साथ मिलकर 'गूगल पे फ्लेक्स एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड' लॉन्च किया गया है। ये एक यूपीआई आधारित को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड है, जिसे भारत की बदलती वित्तीय जरूरतों को सरल और बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। बैंक के मुताबिक रुपे नेटवर्क पर आधारित यह कार्ड क्रेडिट अनुभव को उतना ही सहज बनाने का लक्ष्य रखता है, जितना लोग रोज़ाना यूपीआई भुगतान करते हैं। यह गूगल पे के सुरक्षित अनुभव और एक्सिस बैंक की विश्वसनीय बैंकिंग विशेषज्ञता का अनूठा संगम है। यह कार्ड 'फ्लेक्स बाय गूगल पे' के तहत पहली पेशकश है, जो गूगल का क्रेडिट को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक नया कदम है। 'गूगल पे फ्लेक्स एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड' की विशेषता यह है कि फ्लेक्स के साथ यूजर्स कुछ ही मिनट में पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया के जरिए कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसे प्राप्त कर लाखों ऑफलाइन मर्चेंट्स या ऐप्स पर भुगतान करना शुरू कर सकते हैं।

प्रत्येक लेन-देन पर यूजर्स को 'स्टार्स' के रूप में रिवॉर्ड पॉइंट मिलेंगे, जिन्हें तुरंत रिडीम किया जा सकता है। इसमें 1 स्टार की वैल्यू 1 रुपये के बराबर होगी। इसके अलावा, गूगल पे एप के भीतर ही फ्लेक्सिबल रीपेमेंट के विकल्प मिलते हैं, जिससे यूज़र्स अपने क्रेडिट कार्ड बिल को आसानी से ईएमआई में बदल सकते हैं, जो उन्हें अपने खर्चों पर बेहतर नियंत्रण और वित्तीय लचीलापन प्रदान करता है।इस अवसर पर एक्सिस बैंक की प्रेसिडेंट और हेड (कार्ड्स, पेमेंट्स और वेल्थ मैनेजमेंट) अर्निका दीक्षित ने कहा कि वे गूगल के साथ साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल भुगतान अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि यूपीआई की लोकप्रियता को देखते हुए डिजिटल-फर्स्ट उपभोक्ताओं के लिए यह क्रेडिट समाधान तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यूपीआई स्पेस में अपनी लीडरशिप का फायदा उठाते हुए एक्सिस बैंक फाइनेंशियल सॉल्यूशंस में अपनी विशेषज्ञता को गूगल पे की लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ मिलाकर इंस्टेंट रिवॉर्ड्स, फ्लेक्सिबल रीपेमेंट ऑप्शन और बहुत कुछ के साथ रोज़ाना के लेनदेन को आसान बना रहा है। वहीं, गूगल पे के सीनियर डायरेक्टर प्रोडक्ट मैनेजमेंट शरथ बुलुसु ने कहा, 'गूगल पे में हमारा लक्ष्य हमेशा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स को सभी के लिए आसान और सुलभ बनाना रहा है।

# पाजसोन एग्रो इंडिया की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** काजू की प्रोसेसिंग कंपनी पाजसोन एग्रो इंडिया के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 118 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 5.08 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 124 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली के कारण ये शेयर गिर कर 120.05 रुपये के स्तर पर आ गया। कुछ देर तक दबाव में कारोबार करने के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 130.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.34 प्रतिशत का फायदा हो गया। पाजसोन एग्रो इंडिया का 74.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 15 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.50 गुना




सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 10.92 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 6.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.85 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 63,09,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी आंध्र प्रदेश के विजयानगरम में काजू की दूसरी प्रोसेसिंग फैसिलिटी का कैपिटल एक्सपेंडिचर करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.35 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 20.42 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की कुल आय 36 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 187.28 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें तो पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि में कंपनी को 14.20 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है।

## राजस्थान में सौर ऊर्जा और बैटरी स्टोरेज की नवीन संभावनाएं तलाशें- सीएम

एजेंसी

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गत 2 वर्षों में लिए गए निर्णयों से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। साथ ही, किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि रबी सीजन में किसानों को पर्याप्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में विद्युत आपूर्ति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राज्य में विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए



जिम्मेदार कार्मिकों और अधिकारियों की फील्ड विजिट में वृद्धि के लिए निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन का संतुलन बनाने की स्थायी कार्ययोजना तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय को अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाने के लिए योजना के अनुरूप कार्य किया जाए। उन्होंने ऊर्जा विभाग को प्रदेश में बैटरी स्टोरेज के साथ ही सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए नवीन क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संचालन में प्रगति लाने के लिए भी निर्देशित किया।

# स्टॉक मार्केट में एचआरएस एलुग्लेज की एंट्री, पहले ही दिन लगा अपर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** खिड़की, दरवाजे, कर्टन वॉल की डिजायनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और इंस्टॉलेशन का काम करने वाली कंपनी एचआरएस एलुग्लेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 96 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग करीब 31.25 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 126 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 132.30 रुपये अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गया और इसी स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 37.81 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एचआरएस



एलुग्लेज का 50.92 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 15 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 44.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 82.13 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 46.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 53.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अहमदाबाद के राजोडा में एसेंबली और ग्लेजिंग लाइन का सेटअप करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

## सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में एक दिन की कमजोरी के बाद आज एक बार फिर तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 670 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी में भी आज 12 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। कीमत में आई इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,34,520 रुपये से लेकर 1,34,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,23,310 रुपये से लेकर 1,23,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज एक बार फिर 2 लाख रुपये के स्तर से पार कर 2,11,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,34,670 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,34,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,34,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,34,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,23,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,34,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,23,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,34,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,23,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,34,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,23,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## छोटे पेट्रोल वाहनों को कैफे छूट का टाटा मोटर्स ने किया विरोध

एजेंसी

**नई दिल्ली।** ईंधन दक्षता से जुड़े कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल एफिशिएंसी (कैफे) मानकों में छोटे पेट्रोल वाहनों को छूट देने के प्रस्ताव पर टाटा मोटर्स ने कड़ा रुख अपनाया है। कंपनी का कहना है कि इस तरह की रियायतें टिकाऊ तकनीकों पर फोकस को कमजोर कर सकती हैं। और देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स ने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय को पत्र लिखकर अपनी चिंताएं दर्ज कराई हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई स्थित वाहन निर्माता ने पीएमओ में शक्तिकांत दास को लिखे अपने पत्र में कहा है कि 909 किलोग्राम तक वजन, 1200 सीसी तक इंजन क्षमता और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले पेट्रोल वाहनों को कैफे मानकों से छूट देना भारत में स्वच्छ और टिकाऊ तकनीकों को अपनाने की रफ्तार को धीमा कर सकता है। कंपनी के मुताबिक, इस तरह की छूट से उन प्रयासों को झटका लगेगा, जो भविष्य की तकनीकों में छलांग लगाने के लिए किए जा रहे हैं। टाटा मोटर्स ने यह भी रेखांकित किया कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर किए गए प्रयास अब नतीजे दिखाने लगे हैं। और यात्री वाहनों की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी करीब 5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। कंपनी का मानना है कि इस अहम मोड़ पर अगर कैफे मानकों में ढील दी गई, तो ईवी अपनाने की मौजूदा गति कमजोर पड़ सकती है ।

# लगातार चौथे दिन शेयर बाजार गिरकर बंद, निवेशकों को 79 हजार करोड़ की चपत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे कारोबारी दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने कई बार लिवाली का जोर बनाया, लेकिन बिकवाल भी लगातार दबाव बनाते रहे, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान कैपिटल मार्केट, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी, ऑयल एंड गैस, हेल्थ केयर, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग इंडेक्स आज कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉल कैप इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 465.39 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.18 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 79 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,332 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,631 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,506 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 195 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,812 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,042 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,770 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 41.32 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 84,518.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 220.54 अंक की मजबूती के साथ 84,780.19 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 321.22 अंक की गिरावट के साथ 84,238.43 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 77.84 अंक लुढ़क कर 84,481.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 53.85 अंक टूट कर 25,764.70 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 92.25 अंक फिसल कर 25,726.30 अंक तक गिर गया। वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इसने निचले स्तर से 175 अंक से अधिक की रिकवरी करके 83.80 अंक की मजबूती के साथ 25,902.35 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। हालांकि दोपहर 1 बजे के थोड़ी देर पहले बाजार में मुनाफा वसूली का जोरदार दबाव बन जाने के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 86 अंक से ज्यादा टूट कर सिर्फ 3 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 25,815.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

## जराइल को लेकर आईसीसी पर अमेरिका सख्त, दो अंतरराष्ट्रीय न्यायाधीशों पर लगाए प्रतिबंध

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के दो न्यायाधीशों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि इजराइल को निशाना बनाने वाली कार्रवाइयों के चलते यह कदम उठाया गया है। रुबियो के अनुसार, जॉर्जिया के गोचा लॉर्डकिपानिद्ज़े और मंगोलिया के एर्डेनेबालसुरेन डैमदिन को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फरवरी में जारी कार्यकारी आदेश 14203 के तहत प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश के जरिए आईसीसी से जुड़े उन व्यक्तियों पर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है, जो अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ मानी जाने वाली न्यायिक गतिविधियों में शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि इन दोनों न्यायाधीशों ने इजराइल की सहमति के बिना इज़राइली नागरिकों की जांच, गिरफ्तारी, हिरासत या अभियोजन से जुड़ी आईसीसी की कोशिशों में सीधे तौर पर भाग लिया। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका और इजराइल, दोनों ही आईसीसी के सदस्य नहीं हैं और ऐसे में अदालत का अधिकार क्षेत्र स्वीकार्य नहीं है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित न्यायाधीशों की अमेरिका में मौजूद किसी भी संपत्ति को फ्रीज़ किया जाएगा। साथ ही, उन पर और उनके परिवार के सदस्यों पर अमेरिका की यात्रा पर भी रोक लागू होगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब गाजा युद्ध और उससे जुड़े कानूनी मामलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव बढ़ा हुआ है।

## श्रीलंका में दिल दहला देने वाली घटनाः जंगली हाथी को जिंदा जलाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

**कोलंबो।** श्रीलंका में पशु क्रूरता की एक बेहद शर्मनाक और अमानवीय घटना सामने आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद पुलिस ने जंगली हाथी को जिंदा जलाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना देश के उत्तर-मध्य प्रांत के अनुराधापुरा जिले में हुई, जो राजधानी कोलंबो से करीब 200 किलोमीटर दूर है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी 42 से 50 वर्ष की आयु के हैं। उन्हें हिरासत में लेकर अदालत में पेश किया गया, जहां से आगे की जांच तक 24 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वायरल वीडियो सामने आने के बाद इस घटना को लेकर देशभर में आक्रोश फैल गया। वन्यजीव अधिकारियों ने बताया कि हाथी को पहले गोली मारकर घायल किया गया और इसके बाद उस पर आग लगा दी गई। पशु चिकित्सकों की टीम ने हाथी की जान बचाने की कोशिश की, लेकिन गंभीर रूप से झुलसे होने के कारण उसकी मौत हो गई। श्रीलंका में हाथियों को पवित्र माना जाता है और वे क़ानून द्वारा संरक्षित हैं। बौद्ध संस्कृति में हाथियों का विशेष महत्व है और देश में इन्हें राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा प्राप्त है। हालांकि, ग्रामीण और खेती वाले इलाकों में फसलों को नुकसान पहुंचाने के कारण मानव-हाथी संघर्ष लगातार बढ़ रहा है।

## भारत ने राजशाही और खुलना में वीजा आवेदन केंद्र बंद किए, ढाका केंद्र खुला

**ढाका।** भारत ने सुरक्षा की स्थिति का हवाला देते हुए बंगलादेश में राजशाही और खुलना में अपने वीजा आवेदन केंद्र अस्थायी रूप से बंद कर दिए हैं, लेकिन ढाका केंद्र में काम फिर से शुरू कर दिया है। यह कदम बुधवार को भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ के भारतीय उच्चायोग की ओर मार्च करने के कारण उठाया गया। वीजा केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए भारतीय वीजा आवेदन के राजशाही और खुलना केंद्र बंद रहेंगे। जिन आवेदकों ने गुरुवार को आवेदन जमा करने के लिए समय-सीमा निर्धारित किए हैं, उन्हें बाद की तारीख में समय दिया जाएगा।उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में भारत के पांच वीजा आवेदन केंद्र हैं-ढाका, खुलना, राजशाही और चटोग्राम तथा सिलहट।

## कंबोडिया-थाईलैंड सीमा संघर्ष में अब तक 18 कंबोडियाई नागरिकों की मौत

**नोम पेन्ह।** कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर जारी झड़पों के बीच कंबोडिया में नागरिकों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 18 हो गया है। कंबोडिया के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखक ने गुरुवार सुबह एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बुधवार शाम 6 बजे तक संघर्ष में मारे गए कंबोडियाई नागरिकों की कुल संख्या 18 तक पहुंच गई है और घायलों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है। श्री सोखक ने कहा कि विस्थापित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,44,066 परिवारों तक पहुंच गई है, जिसमें 4,76,179 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें 2,40,000 से अधिक महिलाएं और लगभग 1,30,000 बच्चे शामिल हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की राज्य सचिव और प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि बुधवार आधी रात से गुरुवार सुबह तक, थाई सैन्य बलों ने कंबोडियाई क्षेत्र में कई ठिकानों पर हमले किये। कंबोडिया-थाईलैंड सीमा विवाद सात दिसंबर से फिर से भड़क गया है और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले की शुरुआत करने का आरोप लगाया है।

# ट्रंप ने भारत के साथ विस्तारित सैन्य सहयोग के लिए एनडीएए पर हस्ताक्षर किए

**एजेंसी**

**वॉशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वित्त वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (एनडीएए) पर हस्ताक्षर किए। यह एक बड़ा रक्षा कानून है, जिसमें वॉशिंगटन की इंडो-पैसिफिक पॉलिसी के हिस्से के तौर पर भारत के साथ अमेरिकी सैन्य सहयोग बढ़ाने और क्वाड के जरिए संबंधों को गहरा करने की बात कही गई है। यह कानून राष्ट्रीय सुरक्षा पर खर्च के लिए 890 बिलियन डॉलर की मंजूरी देता है। यह अमेरिका को भारत के साथ सहयोग बढ़ाने का निर्देश देता है, जिसमें क्वाड सुरक्षा संवाद के जरिए एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देना शामिल है। ट्रंप ने इस कानून पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि इससे उनके 'युद्ध विभाग' को 'ताकत के जरिए शांति' की नीति पर काम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह कानून देश को बाहरी और

अंदरूनी खतरों से सुरक्षित रखेगा और रक्षा से जुड़े उद्योगों को और मजबूत बनाएगा। इसके साथ ही, यह कानून उनकी सरकार द्वारा पहले लिए गए कई बड़े फैसलों को अब स्थायी कानूनी रूप दे देगा। इस कानून में भारत के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सैन्य सहयोग बढ़ाने, मिलिट्री अभ्यासों में ज्यादा भागीदारी, रक्षा व्यापार बढ़ाने और मानवीय सहायता और आपदा राहत पर ज्यादा करीबी सहयोग की बात कही गई है। इसमें समुद्री सुरक्षा को भी अमेरिका-भारत सहयोग के लिए एक खास क्षेत्र के तौर पर पहचाना गया है। स्टेट डिपार्टमेंट को कानून बनने के 180 दिनों के अंदर कांग्रेस को रिपोर्ट देनी होगी और उसके बाद 5 साल तक हर साल रिपोर्ट देनी होगी। इस कानून के तहत, अमेरिका इस रिपोर्ट में दो मुख्य बातों की जांच करेगा। भारत और रूस के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग और रिश्तों की स्थिति। साथ ही, रूस की सेना की गतिविधियां हिंद-प्रशांत और दुनिया के अन्य क्षेत्रों पर क्या असर डाल रही हैं। इसके अलावा, एनडीएए स्टेट डिपार्टमेंट के अंदर हिंद महासागर क्षेत्र के लिए एक एम्बेसडर-एट-लार्ज की स्थापना को मंजूरी देता है। यह पद हिंद महासागरीय देशों में अमेरिका के कूटनीतिक प्रयासों को कोऑर्डिनेट करेगा और इस क्षेत्र में चीन के प्रभाव का मुकाबला करने पर फोकस करेगा। कानून में ताइवान की सुरक्षा सहयोग के लिए 1 अरब डॉलर की मंजूरी दी गई है। साथ ही, चीनी सैन्य कंपनियों को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए तीसरे देशों का इस्तेमाल करने से रोकने के प्रावधान हैं।

## बेलारूस में तैनात हुई रूस की नई 'ओरेशनिक' मिसाइल, लुकाशेंको का दावा

**एजेंसी**

**मीन्स्क।** बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने दावा किया है कि रूस ने अपनी नवीनतम परमाणु क्षमता वाली बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली 'ओरेशनिक' को बेलारूस में तैनात कर दिया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने यह जानकारी दी, हालांकि मिसाइलों की संख्या या उनकी तैनाती से जुड़े अन्य तकनीकी विवरण साझा नहीं किए गए। बेलारूस लंबे समय से मॉस्को का करीबी सहयोगी रहा है। वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूस के व्यापक हमले के दौरान बेलारूस की भूमि का उपयोग सैन्य अभियानों के लिए किया गया था। इसके अलावा, बेलारूस ने रूसी सेना को रसद सहायता, कपड़े और उपकरण भी उपलब्ध कराए हैं, हालांकि उसने अपने सैनिक सीधे तौर पर युद्ध में नहीं

उतारे। रूस ने पहली बार 'ओरेशनिक' मिसाइल का इस्तेमाल नवंबर 2024 में यूक्रेन के दिनीप्रो शहर में एक रक्षा उद्योग से जुड़े ठिकाने पर किया था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तब कहा था कि यह हमला यूक्रेन द्वारा अमेरिकी और ब्रिटिश लंबी दूरी की मिसाइलों के रूसी क्षेत्र में उपयोग के जवाब में किया गया। पुतिन ने इस मिसाइल को रोक पाना असंभव बताते हुए इसकी मारक क्षमता की तुलना परमाणु हथियार से की है। हालांकि, कई सैन्य विशेषज्ञ इन दावों पर सवाल उठा रहे हैं। बेलारूस में इस मिसाइल की तैनाती से क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं और गहरी हो सकती हैं।

# नेपाल में भारतीय इंजीनियर की हत्या का डेढ़ महीने बाद खुलासा

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल में राजधानी काठमांडू के ललितपुर स्थित धापाखेल में एक भारतीय इंजीनियर की हत्या होने का खुलासा हुआ है। यह सामने आया है कि करीब डेढ़ महीने पहले 46 वर्षीय भारतीय इंजीनियर देव कुमार की हत्या कर दी गई थी। हालांकि, हत्या के डेढ़ महीने बीत जाने के बाद भी यह मामला अब तक रहस्य बना हुआ है। घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है और न ही हत्या के कारणों का खुलासा हो सका है। पुलिस अधिकारी मामले की जांच जारी रहने की बात कह रहे हैं, लेकिन आधिकारिक रूप से कुछ भी बताने से बच रहे हैं। यह हत्या धापाखेल में निर्माणाधीन एक कॉलोनी में हुई थी।

बताया गया है कि देव कुमार, चौधरी ग्रुप द्वारा बनाई जा रही उक्त कॉलोनी के डिजाइन कार्य के लिए नेपाल आए थे। जांच अधिकारियों के अनुसार, उनकी हत्या निर्माणाधीन

कॉलोनी के बाथरूम में बेहद दर्दनाक तरीके से उनकी हत्या की गई थी। उनका शव हाथ-पैर और मुंह कपड़े से बंधी हुई अवस्था में बरामद हुआ था।

पुलिस के अनुसार, हाथ-पैर और मुंह बांधकर धारदार हथियार से सिर पर वार कर उनकी हत्या की गई थी। मामले की जांच जिला पुलिस परिसर ललितपुर के साथ-साथ काठमांडू घाटी अपराध अनुसंधान कार्यालय की टीम भी कर रही है।

पुलिस ने बताया है कि घटना के सिलसिले में उसी कॉलोनी में काम करने वाले मजदूरों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि हत्या सामूहिक हमले में हुई या किस तरह अंजाम दी गई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है और जांच जारी है।

# काठमांडू से भैरहवा ले जाकर पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को किया जाएगा रिहा

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल में काठमांडू स्थित नक्खु कारागार में हिरासत में रखे गए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेता एवं देश के उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार रिहाई की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए भैरहवा जिला अदालत में पेश किया जाएगा। लंबे समय तक चली हिरासत और कानूनी जटिलताओं के बाद उच्च न्यायालय के आदेश के साथ ही रवि लामिछाने की रिहाई होनी है। उच्च न्यायालय तुलसीपुर की बुटवल पीठ द्वारा जमानत लेकर लामिछाने को रिहा करने का आदेश दिए जाने के बाद उन्हें काठमांडू से रुपन्देही ले जाया गया है। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार जिला स्तर पर आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर उन्हें रिहा करने की व्यवस्था की गई है। उच्च न्यायालय के सूचना अधिकारी रामबहादुर कुँवर के अनुसार, लामिछाने की रिहाई के लिए आवश्यक बैंक जमानत पहले ही जमा कर दी गई है। अब केवल उन्हें अदालत में उपस्थित कराने और प्रशासनिक औपचारिकताएँ पूरी

करना बाकी है। इससे पहले लामिछाने ने जिला अदालत के माध्यम से जमानत पर रिहा होने के लिए बैंक गारंटी प्रस्तुत की थी, लेकिन जिला अदालत ने उसे पर्याप्त आधार न मानते हुए रिहा करने से इनकार कर दिया था। जिला अदालत के फैसले के खिलाफ लामिछाने उच्च अदालत पहुँचे थे। उच्च अदालत के न्यायाधीश वासुदेव आचार्य और तेजनारायण पौडेल की पीठ ने शर्तों के साथ उनकी रिहाई का रास्ता खोल दिया। अदालत ने यह शर्त भी रखी है कि यदि मामले के अंतिम फैसले के दौरान धरौटी से अधिक राशि तय होती है, तो उसे भी स्वीकार करना होगा। लामिछाने की ओर से सभी कानूनी शर्तें और वित्तीय जमानत की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें भैरहवा लाकर रिहा किया जाएगा।

# अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना एयरपोर्ट पर विमान हादसे में सात लोगों की मौत

**एजेंसी**

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के स्टेट्सविल शहर के एक क्षेत्रीय हवाई अड्डे पर एक छोटा जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, पुलिस ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में मारे गए लोगों में एनएएससीएआर (नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टॉक कार ऑटो रेसिंग) के पूर्व चालक ग्रेग बिफल, उनकी पत्नी और उनके दो बच्चे भी शामिल हैं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के मुताबिक, सेसना सी 550 विमान गुरुवार सुबह करीब 10 बजकर 20 मिनट पर हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान गिरते ही उसमें भीषण आग लग गई।

फ्लाइट-ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के अनुसार, विमान ने सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही समय

में वह वापस लौट आया और दोबारा लैंड करने की कोशिश कर रहा था।

मृतकों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। यह प्रक्रिया मेडिकल जांच कार्यालय द्वारा पूरी की जा रही है। स्टेट्सविल के सिटी मैनेजर रॉन स्मिथ ने कहा कि यह घटना अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और कई एजेंसियां मिलकर राहत और जांच का काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि जांच लगातार आगे बढ़ रही है। घटना के वीडियो में देखा गया कि आपातकालीन कर्मचारी तुरंत रनवे पर पहुंचे, जहां विमान का मलबा चारों ओर बिखरा हुआ था और आग की लपटों में घिरा था।

स्टेट्सविलरीजनल एयरपोर्ट के मैनेजर जॉन फर्ग्यूसन ने बताया कि अब दुर्घटनास्थल की जिम्मेदारी एफएए ने संभाल ली है। उन्होंने कहा कि अगली सूचना तक हवाई अड्डा बंद रहेगा, क्योंकि रनवे से मलबा हटाने और उसे सुरक्षित बनाने में समय लगेगा। एफएए ने बताया कि इस हादसे की जांच उनके साथ-साथ राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड भी करेगा। बता दें, कुछ ही दिन पहले छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का एक मामला अमेरिका के पड़ोसी देश मेक्सिको में भी सामने आया था। मेक्सिको के सेंट्रल स्टेट ऑफ मेक्सिको में सैन माटेओ एटेंको नगर में एक छोटा विमान हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय प्रशासन के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। इनमें पायलट और सह-पायलट भी शामिल थे। यह एक निजी जेट विमान था, जिसमें आठ यात्री और दो चालक दल के सदस्य रजिस्टर्ड थे।

## सुशीला कार्की को ओली की चेतावनी, गिरफ्तार किया तो गिरा देंगे सरकार

**एजेंसी**

**काठमांडू।** नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को पार्टी नेतृत्व पर हाथ डालने की कोशिश होने पर देश ठप कर देने की चेतावनी दी है। ओली ने यह भी कहा कि अगर उनकी गिरफ्तारी की गई, तो यह सरकार उसी दिन गिरा दी जाएगी। महाधिवेशन से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथग्रहण के तुरंत बाद आज पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पद पर निर्वाचित ओली ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आंदोलन के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया। ओली ने सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली

सरकार को गिराने की आवश्यकता बताते हुए इसके लिए देशभर से तैयारी की स्थिति में रहने का भी निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि एमाले नेतृत्व पर हमला करना दुनिया में सबसे महंगा साबित होगा।

# ईरान-पाकिस्तान से एक ही दिन में 5,500 से अधिक अफगान शरणार्थियों का जबरन निर्वासन

**एजेंसी**

**काबुल।** ईरान और पाकिस्तान से एक ही दिन में 5,500 से अधिक अफगान शरणार्थियों को जबरन अफगानिस्तान वापस भेजा गया। यह जानकारी तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। प्रवासियों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए गठित उच्च आयोग की रिपोर्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए तालिबान के उप प्रवक्ता मुल्ला हमदुल्लाह फ़ित्रत ने बताया कि बुधवार को कुल 863 परिवारों के 5,591 लोग अफगानिस्तान लौटे। यह जानकारी पज्हवोक अफगान न्यूज ने दी। उन्होंने बताया कि लौटने वाले शरणार्थी हेरात के इस्लाम क़िला बॉर्डर, हेलमंद के बह्रमचा, निमरोज़ के पुल-ए-अब्रेशम, नंगरहार के तोरखम और कंधार के स्पिन बोल्डक सीमा मार्गों से देश में दाखिल हुए।

फ़ित्रत के अनुसार, 1,311 परिवारों के 7,165 लोगों को उनके संबंधित इलाकों में भेजा गया, जबकि 849 परिवारों को मानवीय सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा, दूरसंचार कंपनियों ने हाल ही में लौटे शरणार्थियों को 937 सिम कार्ड भी उपलब्ध कराए। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान और पाकिस्तान से 3,005 अफगान शरणार्थियों को जबरन निर्वासित किया गया था। इस बीच, ईरान और पाकिस्तान से अफगान शरणार्थियों के निर्वासन का सिलसिला जारी है। काबुल के एक प्रवासी शिविर में रह रहे कई लौटे हुए शरणार्थियों ने पाकिस्तानी पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार की आलोचना की है और कहा है कि उनकी सारी संपत्ति वहीं छूट गई। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज के अनुसार, पिछले सप्ताह लौटे शरणार्थियों ने तत्काल आश्रय, भूमि, आर्थिक सहायता और रोजगार के अवसरों की मांग उठाई थी। पाकिस्तान से निर्वासित जमालुद्दीन ने टोलो न्यूज से कहा, 'हमें जबरन निकाल दिया गया। हमारी कुछ संपत्ति वहीं रह गई। यहां न पैसा है, न रहने की जगह। सर्दी बढ़ रही है और हालात बेहद कठिन हैं। ' एक अन्य निर्वासित गुलज़ार ने कहा, 'हमें बाहर निकाल दिया गया। वह देश हमारे लिए पराया था। अब हम अपने वतन लौटे हैं और इस्लामिक अमीरात से मदद की अपील करते हैं। ' कई लौटे हुए शरणार्थियों ने कहा कि पाकिस्तान में उनकी सारी संपत्ति नष्ट या छूट गई और उन्होंने तालिबान से आश्रय, आपात सहायता और रोजगार उपलब्ध कराने की मांग की। ईरान से लौटे जन मोहम्मद ने कहा, 'इस्लामिक अमीरात को इन लोगों की मदद करनी चाहिए। उनके पास रहने की कोई जगह नहीं है। मैं खुद जौज़जान प्रांत जा रहा हूं, लेकिन वहां भी ठहरने की कोई व्यवस्था नहीं है।

## हिज्बुल्लाह के निरस्त्रीकरण पर सहमति की कोशिश तेज, पेरिस में सऊदी-फ्रांस-अमेरिका की अहम बैठक

**एजेंसी**

**पेरिस/बेरूत।** लेबनान में हिज्बुल्लाह के निरस्त्रीकरण को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रयास तेज हो गए हैं। फ्रांस, सऊदी अरब और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने पेरिस में लेबनानी सेना प्रमुख के साथ बैठक कर एक ऐसे रोडमैप को अंतिम रूप देने पर चर्चा की, जिससे हिज्बुल्लाह को हथियारों से मुक्त करने की प्रक्रिया के लिए एक प्रभावी तंत्र तैयार किया जा सके।

यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब वर्ष 2024 में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए इजराइल-लेबनान संघर्ष विराम के बावजूद हालात बेहद नाजुक बने हुए हैं। इस संघर्ष विराम से एक साल से अधिक चले इजराइल-हिज्बुल्लाह संघर्ष का अंत हुआ था, जिसमें ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह को भारी नुकसान पहुंचा। इसके बाद से दोनों पक्ष एक-दूसरे पर संघर्ष विराम उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं। इजराइल लगातार लेबनानी सेना की ओर से हिज्बुल्लाह को निरस्त्र करने के प्रयासों पर सवाल उठा रहा है।

फ्रांस के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पास्कल कोंफाब्रू ने बैठक के बाद बताया कि यह सहमति बनी है कि लेबनानी सेना द्वारा किए जा रहे निरस्त्रीकरण प्रयासों को ठोस सबूतों के साथ दस्तावेजी रूप दिया जाएगा और मौजूदा संघर्ष विराम तंत्र को और मजबूत किया जाएगा।

राजनयिकों के अनुसार, बढ़ते तनाव के बीच यह बैठक इसलिए अहम थी ताकि निरस्त्रीकरण प्रक्रिया की पहचान, निगरानी और समर्थन के लिए अधिक मजबूत व्यवस्था बनाई जा सके। लेबनान में 2026 में होने वाले संसदीय चुनावों को लेकर भी चिंता जताई जा रही है, क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता से राष्ट्रपति जोसेफ औन पर निरस्त्रीकरण को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। इस बीच, बैठक के दिन ही इजराइली वायुसेना ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में कई ठिकानों पर हमले किए। इजराइल ने दावा किया कि उसने हिज्बुल्लाह के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जबकि लेबनान की संसद अध्यक्ष और हिज्बुल्लाह समर्थक अमल मूवमेंट के नेता नबीह बेरी ने इन हमलों को पेरिस बैठक के लिए 'इजराइली संदेश' करार दिया।

## चीन ने हैनान के मुख्य बंदरगाह द्वीप पर शुरू किये विशेष कस्टम अभियान

**एजेंसी**

**बीजिंग।** चीन ने हैनान के मुक्त व्यापार बंदरगाह (एफटीपी) पर विशेष सीमा शुल्क अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेशी सामानों का आसान प्रवेश, बिना शुल्क दिये व्यापार और उसके अधिक अनुकूल उपायों लागू करना

है। इस कदम को दुनियाभर में बढ़ते संरक्षणवाद के समय में मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने और खुलेपन का विस्तार करने के चीन के चल रहे प्रयासों के तहत एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में देखा जा रहा है। नयी व्यवस्था के तहत 30,000 वर्ग किमी से अधिक के इस द्वीप को एक विशेष कस्टम निगरानी क्षेत्र के रूप में नामित किया गया है। यह हैनान एफटीपी के विकास में एक नये चरण की शुरुआत है, जो शून्य शुल्क, शुल्क की कम दरों और एक सरल शुल्क प्रणाली द्वारा समर्थित वस्तुओं, पूंजी, कामगारों और डेटा के आसान प्रवाह को सक्षम बनाता है।

# कट्टरपंथी नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में भड़की हिंसा, निशाने पर कई मीडिया संस्थान

**एजेंसी**

**ढाका ।** कट्टरपंथी ग्रुप इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़क गई। इस दौरान कई मीडिया संस्थानों में आगजनी की खबर है। छह दिनों तक जिंदगी के लिए लड़ने के बाद हादी ने सिंगापुर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार रात राष्ट्र को संबोधित करते हुए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने हादी की मौत की पुष्टि की। इंकलाब मंच के आधिकारिक फेसबुक पेज ने भी गुरुवार रात इस खबर की घोषणा की।

फरवरी में होने वाले चुनावों में ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र से संभावित निर्दलीय उम्मीदवार हादी को 12 दिसंबर को बिजोयनगर में सबके सामने सिर में गोली मार दी गई। मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने हादी पर उस वक्त गोलियां चलाईं, जब वह ढाका के बिजोयनगर के बॉक्स कल्वरट इलाके में रिक्शा से जा रहा था। गंभीर हालत में शरीफ उस्मान हादी को ढाका के एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से सोमवार को उसे बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया था। हादी की मौत की खबर आने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार सुबह गुस्साई भीड़ ने ढाका के कारवां बाजार में बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार की बिल्डिंग में आग लगा दी। आग पर काबू पाने के लिए छह फायर ब्रिगेड यूनिट भेजी गईं। इस दौरान पत्रकारों सहित कई कर्मचारी बिल्डिंग के अंदर फंस गए थे। उन्हें सुरक्षित निकाला गया। इलाके को सुरक्षित करने के लिए बांग्लादेश सेना के जवानों को तैनात किया गया, जबकि भीड़ सड़क के दूसरी ओर खड़ी

रही। इसी तरह की एक और घटना में लोगों का एक समूह राजधानी में शाहबाग से कारवां बाजार की ओर मार्च करते हुए गया, जहां उन्होंने बांग्लादेशी दैनिक प्रोथोम आलो की बिल्डिंग को घेर लिया और विरोध प्रदर्शन किया। मौके पर तैनात पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की, लेकिन स्थिति को काबू में करने में नाकाम रही। यह हमला गुरुवार देर रात शुरू हुआ, जब प्रदर्शनकारी लाठियां और रॉड लेकर आए। उन्होंने ऑफिस में तोड़फोड़ की और उसकी ज्यादातर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। बांग्लादेशी दैनिक, ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, आधी रात के आसपास, प्रदर्शनकारियों का एक समूह ऑफिस में घुस गया और सड़क पर फर्नीचर और जरूरी दस्तावेज फेंककर आग लगा दी।

प्रोथोम आलो के एक पत्रकार के अनुसार, इलाके में तनाव बढ़ने के कारण कई रिपोर्टर और कर्मचारी अभी ऑफिस के अंदर फंसे हुए हैं। इस बीच, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) की छात्र शाखा, जातीय छात्र शक्ति ने ढाका में विरोध प्रदर्शन किया। अंतरिम सरकार के गृह सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी का पुतला जलाया और हादी के हमलावरों को गिरफ्तार करने में नाकाम रहने और 'सार्वजनिक सुरक्षा की बिगड़ती स्थिति' को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की। ढाका ट्रिब्यून ने जातीय छात्र शक्ति के अध्यक्ष जाहिद अहसान के हवाले से कहा, 'हम जहांगीर से गिरफ्तारी के लिए कोई मांग नहीं कर रहे हैं क्योंकि वह इस पद के लिए अयोग्य हैं। आप एक गैर-जिम्मेदार गृह सलाहकार से मांग नहीं कर सकते।' बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान हिंसा में खतरनाक बढ़ोतरी और कानून-व्यवस्था की स्थिति में गिरावट देखी गई है।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/19/2025 11:44 PM Page 2



# ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत

मौसम में बदलाव होते ही मनुष्यों के साथ पशुओं को भी कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ठंड बढ़ते ही पशुओं का अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। देशभर में ठंड की शुरुआत हो चुकी है। इसका असर जितना इंसानों पर होता है, उससे कई गुना ज्यादा पशुओं पर होता है।

ऐसे में ठंड के समय सबसे ज्यादा ध्यान दुधारू पशुओं का रखना चाहिए। अगर यह ठंड से बीमार होते हैं, तो इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है। वहीं दूसरी ओर अगर ठंड में पशुओं और इनके खान-पान का उचित ध्यान रखा जाए, तो अच्छा उत्पादन देते हैं।

ठंड के मौसम में किसान अपने पशुओं की देखभाल में विशेष एहतियात बरतें, ताकि पशुओं के दुग्ध उत्पादन पर बदलते मौसम का असर न पड़े। सर्दी के मौसम में यदि पशुओं के रहन-सहन और आहार का ठीक प्रकार से प्रबंध नहीं किया गया, तो ऐसे मौसम का पशु के स्वास्थ्य व दुग्ध उत्पादन की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

ठंढ के मौसम में पशुपालन करते समय मौसम में होने वाले परिवर्तन से पशुओं पर बुरा प्रभाव पड़ता है, परंतु ठंड के मौसम में पशुओं की दूध देने की क्षमता शिखर पर होती है तथा दूध की मांग भी बढ़ जाती है। अतः इस प्रभाव से बचने के लिए पशुपालकों को मुख्यतः निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

## ▶▶ पशुओं में पोषण प्रबंधन

ठंड के मौसम में पशुओं को संतुलित आहार दें। जिसमें ऊर्जा, प्रोटीन, खनिज तत्व, पानी, विटामिन व वसा आदि पोषक तत्व मौजूद हो। इन दिनों में पशुओं को विशेष देखभाल की जरुरत होती है, ऐसे में पशुओं के खान-पान व दूध निकालने का समय एक ही रखना चाहिए। खान पान में सावधानी बरतें, दुधारू पशुओं को बिनौला अधिक मात्रा में खिलाना चाहिए।

बिनौला दूध के अंदर चिकनाई की मात्रा बढ़ाता है। बाजरा किसी भी संतुलित आहार/बाखर में 20 प्रतिशत से अधिक नहीं मिलाना चाहिए। शीत लहर के दिनों में पशु की खोर के उपर या नांद में सैंधा नमक का ढेला रखें ताकि पशु जरूरत के अनुसार उसका चाटता रहे। ठण्ड के दिनों में पशुओं के दाना बाटा में 2व खनिज मिश्रण व 1व नमक जरुर मिलाकर दे।

सर्दी में पशुओं को हरा चारा जैसे बरसीम पशुओं को दे, परन्तु ध्यान यह दे की सिर्फ हरा चारा खिलाने से अफारा व अपचन भी आ जाती है, ऐसे में हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकर खिलाए। 4 किलो बरसीम 1 किलो तक दाना बाटा की बचत कराता है । 10 लीटर दुधारू पशु के लिए 20-25 किलो हरा चारा (दलहन) 5-10 किलो सूखा चारा के साथ मिला कर दे।

विभिन्न तरह की खली इस क्रम में उपलब्ध कराये, सरसों का खल, कपास खल, मूंगफली का खल, सोयाबीन खल. दाना बाटा दुग्ध उत्पादन के अनुसार दे। 2-2.5 लीटर दूध उत्पादन पे 1 किलो बाटा पशुओं को जीवन निर्वाह के अलावा उपलब्ध कराये। पशु को सप्ताह में दो बार गुड़ जरूर खिलाएं। गुनगुना व ताजा व स्वच्छ पानी भरपूर मात्रा में पिलाएं, क्योंकि पानी से ही दूध बनता है और सारी शारीरिक प्रक्रियाओं में पानी का अहम योगदान रहता है।

## ▶▶ठण्ड से होने वाले पशुओं में रोगों का रोकथाम

### पशुओं में आफरा

ठंड के मौसम में पशुपालन करते समय पशुओं को जरूरत से ज्यादा दलहनी हरा चारा जैसे बरसीम व अधिक मात्रा में अन्न व आटा, बचा हुआ बासी भोजन खिलाने के कारण यह रोग होता है। इसमें जानवर के पेट में गैस बन जाती है। बायीं तरफ पेट फूल जाती है।

### पशुओं में निमोनिया

दूषित वातावरण व बंद कमरे में पशुओं को रखने के कारण तथा संक्रमण से यह रोग होता है। रोग ग्रसित पशुओं की आंख व नाक से पानी गिरने लगता है। ठण्ड के दिनों में पशु निमोनिया के शिकार हो जाते है, खास कर बछड़े या बछड़ी इसलिए जरुरी है की पशुओं को इससे बचाया जाए।

निमोनिया होने पर बुखार भी हो जाता है जिससे पशु खाना एवं जुगाली करना छोड़ देता है अथवा उसकी उत्पादन क्षमता में कमी आ जाती है। निमोनिया की शिकायत होने पर तुरंत नजदीकी पशुचिकित्सक को संपर्क करे ।

### पशुओं को जुकाम

इससे प्रभावित पशु को नाक व आंख से पानी आना, भूख कम लगना, शरीर के रोंएं खड़े हो जाना आदि लक्षण आते हैं। उपचार के लिए एक बाल्टी खौलते पानी के ऊपर सूखी घास रख दें। रोगी पशु के चेहरे को बोरे या मोटे चादर से ऐसे ढ़के कि नाक व मुंह खुला रहे। फिर खौतले पानी भरे बाल्टी पर रखी घास पर तारपीन का तेल बूंद-बूंद कर गिराएं। भाप लगने से पशु को आराम मिलेगा।

इसके अलावा ठंड में पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग की ओर से चलाए जाने वाले विशेष टीकाकरण अभियानों में टीके लगवाने चाहिए। जिससे पशु ठंड के मौसम में निरोग रह सके। पशुओं को जूट के बोरे को ऐसे पहनाएं जिससे वे खिसके नहीं। सर्दी में वातावरण में नमी के कारण पशुओं में खुरपका, मुंहपका तथा गलाघोटू जैसी बीमारियों से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण करें। साथ ही पशुओं को कृमिनाशक दवाई और बाह्य परजीवी मुक्त कराये ।

### पशु आवास प्रबंधन

ठंड के मौसम में पशुपालन करते समय ,पशुओं के आवास प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। सर्दी के मौसम में अंदर व बाहर के तापमान में अच्छा खासा अंतर होता है। पशु के शरीर का सामान्य तापमान विशेष तौर से गाय व भैंस का क्रमशः 101.5 डिग्री फारेनहाइट व 98.3-103 डिग्री फारेनहाइट (सर्दी-गर्मी) रहता है और इसक विपरीत पशुघर के बाहर का तापमान कभी-कभी शून्य तक चला जाता है यानि पाला तक जम जाता है।

अत इस ठंड से पशु को बचाने के लिए पशु का बिछावन की मोटाई (4-6 इंच), खिड़कियों पर बोरी व टाट के पर्दे आदि पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिससे पशुओं पर शीत लहर का सीधे प्रकोप न पड़ सके। साथ में ध्यान रखे की पशुशाला को पूरी तरह बंद ना करे, ताकि पशुओं के गोबर द्वारा अमोनिया गैस पशुशाला से निकल सके।

इसके अलावा धूप निकलने पर पशुओं को बाहर बांधे और दिन गर्म होने पर नहलाकर सरसों के तेल की मालिश करें जिससे पशुओं को खुश्की आदि से बचाया जा सकता है। सर्दी में पशुओं को सुबह नौ बजे से पहले और शाम को पांच बजे के बाद पशुशाला से बाहर न निकालें। दिन में दो बार पशुओं का बाड़ा साफ़ करे ताकि वहां गोबर का ढेर न लगे। पशुशाला में गोबर और मूत्र निकास की उचित व्यवस्था करे ताकि जल जमाव न हो पाए।

## ▶▶ऐसे करें, ठंड के मौसम में पशुओं की देखभाल

पशु आवास की छत पर घांस या टाट की बोरी जरूर डालें।

आवास में ठंडी हवा ना आए इस बात का विशेष ध्यान रखें।

आवास में हवा और गैस निकलने की पूरी जगह होनी चाहिए।

ज्यादा ठंड हो तो आवास के आस-पास आग जलानी चाहिए।

ध्यान रखें धुएं से पशुओं को कोई तकलीफ ना हो।

पशुओं को टाट की बोरी या मोटे कपड़े की पोशाक पहनाएं।

ठंड में बछड़ों का अलग से ध्यान रखें।

पशुओं को धूप जरूर दिखाना चाहिए। इससे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पशुओं के खलिहान में सूखा चारा जरूर देना चाहिए।

पशुओं को दिया जाने वाला पानी ज्यादा ठंडा नहीं होना चाहिए।

ठंडा पानी पेट की एसिडिटी बढ़ाता है।

ठंडे पानी से पशुओं के बीमार होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

ठंड के मौसम में जानवरों की नाक से पानी आना, भूख न लगना, कांपना आदि हो तो इन्हें शाम के बाद गर्म जगह पर बंधना चाहिए।

पशु आवास को गर्म रखें, पशुओं को रोग प्रतिरोधी टीके जरूर लगवा लें।

ठंड के मौसम में उन्हें खाने के लिए हरा चारा और दूसरे खनिज उचित मात्रा में दें, क्योंकि ठंड में बनी सेहत पूरे साल काम आती है।

**डॉ जितेंद्र सिंह ,पशु चिकित्सा अधिकारी ,कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश**

# सर्दी में पाले से कैसे करें फसलों की सुरक्षा

सर्दी का मौसम शुरू होते ही सबके सामने ठंड एक समस्या बनकर खड़ी हो जाती है। जब सर्दी अपनी चरम सीमा पर होती है, उस वक्त किसानों को भी अपनी फसलों को बचाने की चिंता सताने लगती है।

कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आंशका बढ़ जाती है, जिससे रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान चाहते हैं कि वे पाले से किसी भी तरह अपनी आलू, अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि को बचाएं। प्रस्तुत लेख में पाले से रबी फसलों को बचाने की तकनीक पर विस्तार से चर्चा की जा रही

उत्पादन वृद्धि के लिए जरूरी है सिंचाई सुविधाओं का विस्तार। बेहतर फसल प्रबंध में रबी पफसलों के लिए पाले से होने वाले नुकसान को रोकने या कम करने के प्रमुख उपाय निम्न हैं

## पौधों को कैसे क्षति पहुंचाता है पाला

पाले से प्रभावित पौधों की कोशिकाओं में उपस्थित पानी सर्वप्रथम अंतरकोशिकीय स्थान पर इकट् ठा हो जाता है। इस तरह कोशिकाओं में निर्जलीकरण की अवस्था बन जाती है। दूसरी ओर अंतरकोशिकीय स्थान में एकत्र जल जमकर ठोस रूप में परिवर्तित हो जाता है, जिससे इसके आयतन बढ़ने से आसपास की कोशिकाओं पर दबाव पड़ता है। यह दबाव अधिक होने पर कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं। इस प्रकार कोमल टहनियां पाले से नष्ट हो जाती हैं।

## पाला पड़ने के लक्षण

प्रायः पाला पड़ने की आशंका एक जनवरी से 10 जनवरी तक अधिक रहती है। जब आसमान साफ हो, हवा न चल रही हो और तापमान कम हो जाये तब पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। दिन के समय सूर्य की गर्मी से पृथ्वी गर्म हो जाती है तथा पृथ्वी से यह गर्मी विकिरण द्वारा वातावरण में स्थानातंरित हो जाती है। इसलिए रात्रि में जमीन का तापमान गिर जाता है, क्योंकि पृथ्वी को गर्मी तो नहीं मिलती और इसमें मौजूद गर्मी विकिरण द्वारा नष्ट हो जाती है। तापमान कई बार 0 डिग्री सेल्सियस या इससे भी कम हो जाता है। ऐसी अवस्था में ओस की बूंदें जम जाती हैं। इस अवस्था को हम पाला कहते हैं। पाला दो प्रकार का होता है:

### काला पाला

यह उस अवस्था को कहते हैं जब जमीन के पास हवा का तापमान बिना पानी के जमे शून्य डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है। वायुमंडल में नमी इतनी कम हो जाती है कि ओस का बनना रुक जाता है, जो पानी को जमने से रोकता है।

### सफेद पाला

इसमें वायुमंडल में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है। इसके साथ ही वायुमंडल में नमी ज्यादा होने की वजह से ओस बर्फ के रूप में बदल जाती है। पाले की यह अवस्था सबसे ज्यादा हानि पहुंचाती है। यदि पाला अधिक देर तक रहे, तो पौधे मर भी सकते हैं।

## पाले से पौधों की रक्षा

जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा शून्य डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तो पाला पड़ता है। इसलिए पाले से बचने के लिए किसी भी तरह से वायुमंडल के तापमान को शून्य डिग्री सेल्सियस से ऊपर बनाये रखना जरूरी हो जाता है। ऐसा करने के लिए कुछ उपाय सुझाये गये हैं, जिन्हें अपनाकर हमारे किसान भाई ज्यादा फायदा उठा सकेंगे।

### गंधक के तेजाब का छिड़काव करके

बारानी फसल में जब पाला पड़ने की आशकां हो तो पाले की आशंका वाले दिन फसल पर व्यावसायिक गधंक के तेजाब का 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें। इस प्रकार इसके छिड़काव से फसल के आसपास के वातावरण में तापमान बढ़ जाता है और तापमान जमाव बिंदु तक नहीं गिर पाता है, इससे पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।

### पौधों को ढककर

पाले से सबसे अधिक नुकसान नर्सरी में होता है। नर्सरी में पौधों को रात में प्लास्टिक की चादर से ढकने की सलाह दी जाती है। ऐसा करने से प्लास्टिक के अंदर का तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है। इससे सतह का तापमान जमाव बिंदु तक नहीं पहुंच पाता और पौधे पाले से बच जाते हैं, लेकिन यह महंगी तकनीक है। गांव में पुआल का इस्तेमाल पौधों को ढकने के लिए किया जा सकता है। पौधों को ढकते समय इस बात का ध्यान जरूर रखें कि पौधों का दक्षिण-पूर्वी भाग खुला रहे, ताकि पौधों को सुबह व दोपहर को धूप मिलती रहे। पुआल का प्रयोग दिसंबर से फरवरी तक करें। मार्च का महीना आते ही इसे हटा दें। नर्सरी पर छप्पर डालकर भी पौधों को खेत में रोपित करने पर पौधों के थावलों के चारों ओर कड़बी या मूंज की टाटी बांधकर भी पौधों को पाले से बचाया जा सकता है।

### वायुरोधक द्वारा

पाले से बचाव के लिए खेत के चारों ओर मेड़ पर पेड़-झाड़ियों की बाड़ लगा दी जाती है। इससे शीतलहर द्वारा होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। अगर खेत के चारों ओर मेड़ पर पेड़ों की कतार लगाना संभव न हो तो कम से कम उत्तर-पश्चिम दिशा में जरूर पेड़ की कतार लगानी चाहिये, जो अधिकतर इसी दिशा में आने वाली शीतलहर को रोकने का काम करेगी। पेड़ों की कतार की ऊंचाई जितनी अधिक होगी शीतलहर से सुरक्षा उसी के अनुपात में बढ़ती जाती है और यह सुरक्षा चार गुना दूरी तक होती है जिधर से शीतलहर आ रही है। पेड़ की ऊंचाई के 25-30 गुना दूरी तक जिधर शीतलहर की हवा जा रही है, फसल सुरक्षित रहती है।

### प्लास्टिक क्लोच का प्रयोग द्वारा

पपीता व आम के छोटे पेड़ को प्लास्टिक से बनी क्लोच से बचाया जा सकता है। इस तरह का प्रयोग हमारे देश में प्रचलित नहीं है। परन्तु हम खुद ही प्लास्टिक की क्लोच बनाकर इसका प्रयोग पौधों को पाले से बचाने के लिए कर सकते हैं। क्लोच से पौधों को ढकने पर अंदर का तापमान तो बढ़ता ही है साथ में पौधे की बढ़वार में भी मदद करता है।

### खेतों की सिंचाई करके पाला से बचाव

जब भी पाला पड़ने की आशंका हो या मौसम विभाग द्वारा पाले की चेतावनी दी गई हो तो फसल में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिये। इससे तापमान 0 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिरेगा और फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। जहां पर सिंचाई फव्वारा विधि द्वारा की जाती है वहां यह ध्यान रखने की बात है कि सुबह 4 बजे तक अगर फव्वारे चलाकर बंद कर देते हैं तो सूर्योदय से पहले फसल पर बूंदों के रूप में उपस्थित पानी जम जाता है और फायदे की अपेक्षा नुकसान अधिक हो जाता है। अतः स्प्रिंक्लर को जल्दी प्रातःकाल से सूर्योदय तक लगातार चलाकर पाले से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

इस प्रकार हम फसल,नर्सरी तथा छोटे फल वृक्षों को पाले से होने वाले नुकसान से बहुत ही आसान एवं कम खर्चीले तरीकों द्वारा बचा सकते हैं। विदेशों में महंगे पौधों को बचाने के लिए हीटर का प्रयोग भी किया जाता है, लेकिन हमारे देश में अभी यह संभव नहीं है। हमारा यह विश्वास है कि किसान भाई फसल की बढ़वार व पैदावार बढ़ाने के लिए ऊपर बताये गये इन तरीकों को अपनाते हैं तो निश्चित रूप से पाले के कारण रबी फसलों में होने वाले नुकसान को काफी हद तक बचाने में सफलता मिल सकती है।

स्त्रोत - खेती पत्रिका, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद(आईसीएआर), आर.एस. सेंगर, आलोक कुमार सिंह और अभिषेक सिंह, कृषि जैव प्रौद्योगिकी विभाग, कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ (उत्तर प्रदेश)।

(Compiled by: C M Sharma)

# पॉलीहाउस में खीरे की खेती कैसे करें

ग्रीन हाउस या पॉली हाउस में खीरे की खेती आसानी से की जा सकती है । इसका उपयोग सलाद, रायता और अचार के लिये किया जाता है। खीरे का फल ठंडा होने के कारण इसका उपयोग पीलिया, कब्ज आदि बीमारियों में किया जाता है। इसके बीज का प्रयोग आयुर्वेदिक दवाओं एवं बीजों से प्राप्त तेल शरीर तथा मस्तिष्क के लिए उपयोगी होता है। खीरा एक-वर्षीय लता है।

इसकी पत्तियाँ सरल, सवृन्त तथा पार्णिवृन्त होती हैं। मूलतः यह एक एकलिंगी होता है। जिसमें नर एवं मादा फूल एक ही पौधे पर अलग-अलग जगह पर लगते हैं। नर फूल जल्दी गुच्छे में तथा पुष्प वृन्त पर उत्पन्न होते हैं। जबकि मादा फूल देर से एवं लम्बे पुष्प वृन्त पर उत्पन्न होते हैं। सामान्यतः खीरा एक पर-परागित फसल है और परागण घरेलू मक्खियों या मधुमक्खियों के द्वारा होता है।

पॉलीहाउस में मधुमक्खियों के रख-रखाव में आने वाली अधिक कठिनाइयों तथा कीटनाशकों के प्रभाव से मधुमक्खियों का बचाव के कारण पॉलीहाउस में खीरे की पार्थेनोकारपिक प्रजाति ही लगाते हैं, क्योंकि इसमें केवल मादा फूल ही पुष्प वृन्त पर लगते हैं। इस लेख में पॉली हाउस में खीरे की खेती वैज्ञानिक तकनीक से कैसे करें की जानकारी उपलब्ध है।

खीरा एक गर्म मौसम की फसल है। अतः इसकी वृद्धि के लिए 2। से 35 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान की आवश्यकता होती है। यह अधिक ठण्ड एवं पाले के प्रति संवेदनशील होता है और अधिक तापमान तथा आर्द्रता होने से इसमें पाउडरी मिल्ड्यू रोग उत्पन्न होता है। इसके लिए न्यूनतम 15.5, औसत 35.0 और अधिकतम 40.5 प्रतिशत नमी की आवश्यकता होती है, वहीं पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु आर्द्रता 65 से ।0 और नमी 90 उचित रहती है।

किसानों को पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए अधिक उपज वाली संकर किस्मों का चयन करना चाहिए। ताकि पॉली हाउस में खीरे की फसल से अधिकतम उपज प्राप्त की जा सके पॉली हाउस के लिए कुछ प्रचलित किस्मे इस प्रकार है, जैसे-

चाइना, प्वाइनसेट, लौंग ग्रीन, सुपर ग्रीन, स्ट्रेट- 8, बालम खीरा, पूना खीरा, पुसा संयोग (संकर) और पारथेनोकारपिक किस्म- कियान, इसाटिस आदि प्रमुख है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती सामान्यतः पुरे वर्ष की जाती है, लेकिन मुख्य बुवाई का समय इस प्रकार है, जैसे-

ग्रीष्मकालीन- ग्रीष्मकालीन खीरे की बुवाई का समय फरवरी से मार्च उचित माना गया है।

वर्षाकालीन- वर्षाकालीन बुवाई का समय मई से जून मैदानी क्षेत्रों के लिए और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए मार्च से मई उपयुक्त रहता है।

खीरा की खेती के लिए 2 से 2.25 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता पड़ती है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु पौधे तैयार करने के लिए 50 छिद्रों वाले प्रो ट्रे का इस्तेमाल करते हैं। जिसमें एक-एक बीज सभी छिद्रों में बोते हैं। प्रो ट्रे में भरने हेतु मिश्रण जैसे कोकोपीट, परलाइट एवं वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल करते हैं। कोकोपीट, परलाइट और वर्मीकम्पोस्ट की बराबर मात्रा को अच्छी तरह मिलाकर प्रो ट्रे में भर लेते हैं तथा सभी छिद्रों में एक-एक बीज की बोआई करते हैं। बीज बोने के उपरान्त 3 से 4 दिन के अन्दर अंकुरण हो जाता है और पौधे 20 से 25 दिनों में रोपण हेतु तैयार हो जाते हैं।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए कम्पोस्ट या गोबर की खाद 10 से 15 किलो ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से बीज बोने के 3 से 4 सप्ताह पहले भूमि तैयार करते समय मिट्टी में अच्छी तरह मिला देते हैं। इसके अलावा । ग्राम नाइट्रोजन, 4 ग्राम फास्फोरस और 5 ग्राम पोटाश प्रति वर्ग मीटर की दर से मिलाते हैं।

पॉली हाउस में खीरे की सिंचाई ड्रिप एवं स्प्रिंकलर के माध्यम से करते है। जिसमें ड्रिप में दो एल पी एच का ड्रिपर लगते हैं, जो एक घंटे पर दो लीटर पानी पौधे को देते हैं। पौधों को प्रति दिन 2 से 3 लीटर पानी प्रति पौधा देते हैं। खीरे में चूंकि नमी 90 प्रतिशत होनी चाहिये, इसलिए स्प्रिंकलर द्वारा दिन में दो से तीन बार पानी का छिड़काव करना चाहिये। सिंचाई के साथ उर्वरक फर्टिगेशन प्रणाली द्वारा दिये जाते हैं। 10 से 12 दिन के अन्तराल पर घुलनशील 19-19-19 (एन पी के) उर्वरक 2.8 ग्राम प्रति वर्ग मीटर की दर से देना चाहिये।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिए मल्चिंग का प्रयोग

पॉली हाउस में खीरे की खेती हेतु क्यारी बनाते समय काली पॉलीथीन फिल्म का प्रयोग लाभप्रद होता है। क्योंकि इससे खरपतवार का कुप्रभाव फसल के ऊपर नहीं पड़ता और नमी लम्बे समय तक बनी रहती है।

पॉली हाउस में खीरे की खेती के लिये एक मीटर चौड़ी एवं 15 सेंटीमीटर ऊँचाई वाली क्यारी बनाते हैं। उसके उपरान्त उस पर ड्रिप लाइन और मल्चिंग बिछाते हैं। मल्चिंग बिछाने के उपरान्त ।5 × ।5 सेंटीमीटर की दूरी पर छेद काट कर एक-एक पौधे की बुआई करते हैं। बुआई के बाद पौधे की सिंचाई हजारे की सहायता से करते हैं जब तक पौधा सही ढंग से स्थापित न हो जाये।

खीरा एक लता वाली फसल है, जिसमें फसल को सहारा देने हेतु मचान बनाते हैं। जिसमें प्लास्टिक सुतली द्वारा पौधे को ऊपर की ओर सहारा देते हैं। सहारा देने में पौधे को बांधते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि पौधे सुतली के दबाव से कटने न पाये। पौधे की ऊँचाई बढ़ने के साथ सुतली को ढीला कर पौधे के फलन क्षेत्र को नीचा किया जाता है, जिससे तुड़ाई में आसानी हो।

पॉली हाउस में खीरे की फल तुड़ाई किस्म पर निर्भर करती है। लेकिन आमतौर पर पौधे लगाने के 35 से 40 दिन उपरान्त फल तोड़ने हेतु तैयार हो जाते हैं। फलों की तुड़ाई 3 से 4 दिनों के अंतराल पर करना चाहिये। फलों की तुड़ाई के उपरान्त इन्हें सावधानीपूर्वक प्लास्टिक की क्रेट में रखकर बाजार में भेजा जाता है। उपरोक्त वैज्ञानिक तकनीक से पॉलीहाउस में खीरे की खेती करने पर उपज 250 से 500 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती है। ध्यान दें- जिन क्रियाओं का उपरोक्त लेख में वर्णन नही है, वो क्रियाएँ ग्रीन हाउस या पॉली हाउस में खीरा उत्पादक बन्धुओं को सामान्य खेती की तरह ही उपयोग में लानी है।